RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर शुक्रवार ● 07 जून, 2024 वर्षः-12 अंक - 40 कुल पृष्ठ - 8 मूल्य -1 रु.

पूरी सुविधाः फीस भरो घर बैठो

सिर्फ परीक्षा देने आ जाना कोई रोकटोक नहीं

दैनिक सदभावना पाती के पास इस मामले में दर्जनों कॉलेजों के ठोस सबूत एडमिशन के पहले से ही शुरु हो जाती है सेटिंग, कॉलेज नहीं आने का अलग से देना होता है चार्ज

पार्ट -1

एनसीटीई, यूनिवर्सिटी, आदिवासी विकास के गठजोड़ से पनप रहा प्रदेश के बीएड कॉलेजों में जबरदस्त घोटाला, कॉलेज संचालकों की तगड़ी सांठगांठ, कोई टोकाटाकी नहीं, उपस्थिति का भी कोई टेंशन नहीं करोड़ों की छात्रवृत्ति बांटने के बाद भी भविष्य के लिए फर्जी शिक्षक हो रहे तैयार...

देवास का ज्ञानोदय

»»» बीएड के लिए प्रवेश परीक्षा में ऑनलाइन फॉर्म भरते समय जिस कॉलेज में प्रवेश लेना है उसको पहले स्थान पर रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाती है यही वह समय होता है जब कॉलेज अपनी सेटिंग बिठाते है और अपने कॉलेज में एडमिशन के लिए छात्रों को लुभाते हैं इसके लिए फीस के साथ ही कॉलेज नहीं आने तक के लिए सेटिंग की

75% बायोमेट्रिक अटेंडेंस का है नियम

एनसीटीई से मान्यता मिलने के बाद सम्बंधित यूनिवर्सिटी से संबद्धता लेना होता है परीक्षा के पहले छात्र की 75% बायोमेट्रिक अटेंडेंस होना आवश्यक है, छात्रवृत्ति के लिए भी 75% अटेंडेंस होना जरुरी है।

विनय वर्मा

पहली कड़ी में

इंदौर के एनिबेसेंट कॉलेज और देवास के ज्ञानोदय कॉलेज के बारे में खुलासा किया जा रहा है, इन कॉलेजों के कर्ताधर्ता खुल कर कहते हैं कि आप कॉलेज की फीस भरो बाकी कॉलेज देख लेगा।

इंदौर। इस साल विश्वविद्यालय के कोर्स में सबसे ज्यादा डिमांड बीएड करने वाले छात्रों की रही। बीएड के लिए छात्र छात्राओं में भयंकर कॉंपिटीशन देखने को मिला जिसका बड़ा कारण कॉलेज जाए बिना डिग्री पा लेना और उस डिग्री का शासकीय नौकरी के लिए आवश्यक होना है। इस बात का कॉलेज संचालक भी मनमाफिक फायदा उठाते हुए चांदी काट रहे हैं। विद्यार्थियों से मुंहमांगी फीस के साथ कॉलेज नहीं आने की सुविधा का अलग से पैसा वसूल रहे हैं।

दैनिक सदभावना पाती को लगातार शिकायत मिल रही थी

बीएड कोर्स में नॉन अटेंडिंग की सुविधा अनेकों कॉलेज द्वारा दी जा रही है इस पर जब इन्वेस्टिगेशन किया गया तो यह मामला कल्पना से कई गुना बड़ा मिला। हाल ही में ग्वालियर क्षेत्र के बीएड कॉलेजों में मान्यता के मामले सामने आये हैं जहाँ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एनसीटीई से मान्यता ली गई और सिर्फ कागजों पर कॉलेज चल रहे थे।

वास्तविकता में जांच की जाए तो यह फर्जीवाड़ा व्यापमं और नर्सिंग से भी बड़ा निकलेगा यहाँ भी बिना रेगुलर फैकल्टी, बिना रेगुलर छात्रों, बिना हॉस्टल, बिना नियमों के सिर्फ कागजों पर ही कॉलेज संचालित हो रहे हैं।

इन डमी एडमिशन के नाम पर पूरे प्रदेश से सैकड़ों करोड़ों की छात्रवृत्ती भी निकाली जा रही है जिसकी जांच न तो राज्य सरकार, न यूनिवर्सिटी न एनसीटीई न ही आदिवासी विकास विभाग कर रहा है। अब तक यह घोटाला सबकी सांठगांठ से निर्बाध रूप से चल रहा है इस घोटाले का सीधा असर हमारी आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा जहाँ नियमानुसार शिक्षक बनने के लिए बीएड की डिग्री होना आवश्यक है ऐसी फर्जी डिग्री पाने वाले शिक्षक कितने योग्य होंगे इसकी कल्पना आप खुद कर सकते हैं।

»» **रिपोर्टर** – मेम क्या आपके कॉलेज से बीएड का कोर्स हो जायेगा

»» **एनिबेसेंट कॉलेज** – हां जी बिलकुल हो जायेगा।

»» **रिपोर्टर** – आपके कॉलेज की फीस कितनी है

»» **एनिबेसेंट कॉलेज** – सर देखिए दो साल का कोर्स होता है और चार बार एग्जाम होती है हर 6 महीने में, 36 हजार रुपए एक साल की फीस है चार बार परीक्षा होती है उसकी फीस 16 या 17 सौ रुपए होती है जो आपको भरना है ।

»» **रिपोर्टर** – मेरी भांजी हरदा में रहती है रोज कॉलेज नहीं आ सकती है तो क्या उसको कुछ फेवर मिल सकता है

»» **एनिबेसेंट कॉलेज** – देखिए पहले आप रजिस्ट्रेशन करवाइए उसमें सबसे पहले हमारे कॉलेज का नाम डालिए जब आपका नाम लिस्ट में आ जायेगा तब जैसा आप चाहते है वैसा हो जायेगा लेकिन उसके लिए एक बार आपको कॉलेज में आना होगा

»» **रिपोर्टर** – इसके अलावा कोई अतिरिक्त फीस तो नहीं लगेगी, मेम आपका नाम क्या है

»» **एनिबेसेंट कॉलेज** – जी नहीं इसके अलावा कोई और फीस नहीं लगेगी, यह कॉलेज का नंबर है आप इसी पर कॉल लगा लीजिएगा और कह दीजिएगा बीएड की बात करनी है आपसे कोई भी फैकल्टी बात कर लेगी।

यही हाल देवास के ज्ञानोदय कॉलेज का भी है यहां पर भी शिकायत मिलने के बाद जब हमारे रिपोर्टर ने कॉलेज की फैकल्टी से बात की तो उनका कहना था कि आप बस रजिस्ट्रेशन करवा लीजिए बाकी आप जैसा चाहते है वैसा हो जायेगा जिस प्रकार फोन पर बात हुई है उसके कुछ अंश यहां पर प्रकाशित किए जा रहे है।

»» **रिपोर्टर** – मेम क्या आप ज्ञानोदय कॉलेज से बोल रहे है क्या आपके कॉलेज से बीएड का कोर्स होता है

»» **ज्ञानोदय कॉलेज देवास** – जी हां ज्ञानोदय कॉलेज से बोल रही हूं। हमारे कॉलेज से बीएड का कोर्स कराते है।

»» **रिपोर्टर** – आपके कॉलेज की फीस कितनी है और कोर्स कितने साल का है

»» **ज्ञानोदय कॉलेज देवास** – फीस तो 1 साल की 36 हजार और दो साल की 72 हजार रुपए है इसके अलावा लगभग 2 हजार रुपए परीक्षा फीस अलग है जो चार सेमेस्टर में होगी

»» **रिपोर्टर** – क्या बच्ची का एडमिशन सीधे हो जायेगा

»» **ज्ञानोदय कॉलेज देवास** – जी नहीं एडमिशन की प्रक्रिया ऑनलाइन होती है पहले रजिस्ट्रेशन करवा लीजिए आप चाहें तो कॉलेज आकार भी फॉर्म भर सकते हैं

»» **रिपोर्टर** – कॉलेज का समय क्या रहेगा

»» **ज्ञानोदय कॉलेज देवास** – कॉलेज का समय रोजाना 11 बजे से शाम को 4 बजे तक रहेगा

»» **रिपोर्टर** – आपसे एक फेवर चाहिए था छात्रा कॉलेज से काफी दूर रहती है और रोज आने में असमर्थ है

»» **ज्ञानोदय कॉलेज देवास** – उसके लिए आप कॉलेज आ जाईए सब व्यवस्था हो जायेगी आप चिंता न करें।

इनका कहना है

»» इस विषय पर जब कॉलेज के संचालक से बात की गई तो उनका कहना था कि ऐसा नहीं है हमारे कॉलेज में सभी स्टूडेंट रेग्यूलर आते है बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाई जाती हैः-

मोहित यादव
संचालक (एनिबेसेंट कॉलेज)

»» हम 2016 से चला रहे है हमारे यहाँ नियमित क्लास लगती हैंः-

संचालक
ज्ञानोदय इंस्टिट्यूट देवास

»» मैंने दो महीने पहले ही विक्रम यूनिवर्सिटी ज्वाइन की है ऐसा मेरी जानकारी में नहीं है लेकिन यदि मय प्रमाण के शिकायत मिलती है तो कमेटी बना कर जांच की जायेगी और उन कॉलेजों पर सख्त कार्रवाई करेंगेः-

डॉ. अनिल शर्मा
रजिस्ट्रार, विक्रम वी. वी. उज्जैन

»» बीएड की परीक्षा फॉर्म में जो अटेंडेंस होती है वह कॉलेज ही सत्यापित करके भेजते हैं उसमें डीएवीवी का कोई लेना देना नहीं हैः-

अजय वर्मा
रजिस्ट्रार, डीएवीवी इंदौर

सांसद बनते ही कंगना रनौत को पड़ा थप्पड़

चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुए हादसे पर कंगना ने ट्वीटर पर वीडियो शेयर कर दिया बयान

चंडीगढ़। कंगना रनौत के साथ हुए थप्पड़ कांड की खबर आग की तरह फैल गई है। कंगना रनौत के साथ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक घटना हुई, सीआईएसएफ की महिला जवान ने उनके थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो जारी कर सारी जानकारी दी और कहा है कि पंजाब में आतंकवाद बढ़ रहा है।

कंगना रनौत चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुई घटना से आहत हैं। कंगना ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ÷पंजाब में आतंक और हिंसा में चौंकाने वाली वृद्धि।' इसके साथ ही वो वीडियो में कह रही हैं, ÷नमस्ते दोस्तों मुझे बहुत ज्यादा फोन कॉल आ रहे हैं। मीडिया के भी, मेरे शुभचिंतकों के भी। सबसे पहले तो मैं सुरक्षित हूं, बिल्कुल ठीक हूं। आज चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जो हादसा हुआ वो सिक्योरिटी चेक के साथ में हुआ।÷

÷वहां पर मैं सिक्योरिटी चेक कर के जैसी ही निकली, दूरे केबिन में जो महिला थी सुरक्षा कर्मचारी थी सीआईएसएफ की, उन्होंने मुझे उनको क्रॉस करने का इंतजार किया और साइड से आकर मेरे चेहरे पर हिट किया और गालियां देने लगी। जब मैंने उनको पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया तो उन्होंने कहा कि वो किसानों के

आंदोलन का समर्थन करती हैं।÷

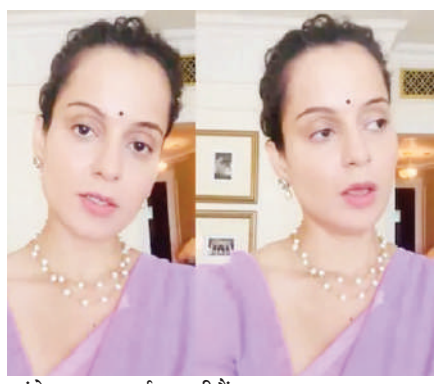

कंगना ने आगे कहा, ÷मैं सुरक्षित हूं, लेकिन मुझे इस बात की चिंता है कि जो आतंकवाद और उग्रवाद पंजाब में बढ़ रहा है, हम उसे कैसे संभालते हैं।÷ कंगना के इस पोस्ट पर उनके शुभचिंतकों के ढेर सारे कमेंट्स आ रहे हैं। वहीं कुछ लोग उस महिला को सपोर्ट कर रहे हैं। उनका कहना है कि कंगना को थप्पड़ पड़ा वो हर किसी को नजर आ रहा है, लेकिन उस महिला के मन में ऐसा क्या था जो उसने ऐसा कदम उठाया वो किसी ने नहीं देखा।

राजधानी के 71 तालाब-कुएं और बावड़ियों की सफाई

- **सीएम डॉ. यादव बोले-तालों में ताल भोपाल, बाकी सब तलैया, मंत्री, सांसद-विधायकों के साथ श्रमदान**

भोपाल। भोपाल के सभी 13 तालाब, 58 कुएं-बावड़ियों के संरक्षण और पुनर्जीवन के अभियान की शुरुआत गुरुवार से हुई।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने छोटा तालाब की सफाई की। उन्होंने कहा कि तालों में ताल भोपाल, बाकी सब तलैया...। सीएम डॉ. यादव के साथ मंत्री, नवनिर्वाचित सांसद, विधायकों ने भी श्रमदान किया। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद यह पहला बड़ा सरकारी कार्यक्रम था।

छोटा तालाब पर बने जलक्रीड़ा केंद्र पर गुरुवार सुबह कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि सीएम डॉ. यादव थे। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के केवल नदियां नहीं, बल्कि सारे जलस्त्रोतों का भी संवर्धन करेंगे। जिस तरह सारी नदियां गंगा में जाकर मिलती हैं, उसी तरह भोपाल में 60-70 साल में भिन्न-भिन्न संस्कृति देखने को मिली है। यहां भी कई तालाब हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, 5 जून से प्रदेश में आरंभ जल गंगा संवर्धन अभियान में अपने आसपास के जल स्त्रोतों के संरक्षण और साफ-सफाई के साथ इन स्थानों पर पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अभियान अवधि में प्रदेश

में 5 करोड़ 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य है। संपूर्ण प्रदेश में जन भागीदारी से पौधे लगाए जाएंगे। अभियान गंगा दशहरा के बाद भी जारी रहेगा। सभी स्थानीय निकाय अपने-अपने स्तर पर गतिविधियां संचालित करेंगे।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शुक्रवार 07 जून , 2024

संक्षिप्त समाचार

सरकारी सड़क पर बोर करवाने की शिकायत

नर्मदापुरम, निप्र। हर्षित नगर रसूलिया में सरकारी सड़क पर बोर वैल खोदा जा रहा है।

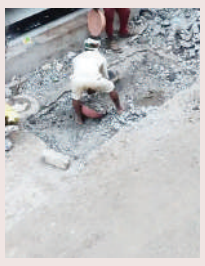

इसको लेकर कॉलोनी के लोगो ने नगरपालिका और एसडीएम को आवेदन देकर कार्यवाही करने की मांग की है। रामेश्वर, रोहित सहित आधा दर्जन लोगों ने आवेदन में बताया वार्ड-21 में एक महिला सरकारी सड़क पर बोरवेल की खुदाई करवा रही है। इससे पहले सड़क पर 5 फीट का रैंप भी बना लिया गया है। इसके चलते लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। आवेदन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। साथ ही सरकारी सड़क पर बोरवेल को बंद करवाने की मांग की गई है।

सूखा पेड़ गिरा, बाइक सवार की मौत

पिपरिया, निप्र। आंधी से एक सूखा पेड़ गिरने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुरुषोत्तम (46) पिता स्व. नंदकिशोर चौधरी बाइक से अपने गांव पचुआ जा रहे थे। इसी दौरान खापरखेड़ा गुरारी मार्ग पर शासकीय फॉर्म के आगे सेमरा का सूखा पेड़ आंधी में गिर गया। पुरुषोत्तम की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

डीडी उइके की जीत पर कार्यालय में मनाया जश्न

हरदा, निप्र। भाजपा प्रत्याशी डीडी उइके की हरदा-टिमरनी विधानसभा में रिकॉर्ड जीत पर भाजपा कार्यालय में पूर्व मंत्री कमल पटेल ने कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जीत के लड्डू खिलाए। जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा कराकर पार्टी की लगातार नौवीं बार जीत पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। सभी ने एक दूसरे के गले लगकर बधाई देते नजर आए।

मदिरा के अवैध विक्रय व संग्रहण के 9 प्रकरण दर्ज

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग के दल ने मदिरा के अवैध निर्माण, संग्रहण व विक्रय के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी श्री रीतेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी विभाग के दल ने मंगलवार को वृत हरदा के ग्राम खेड़ीपुरा टंकी मोहल्ला, दूध डेयरी मोहल्ला व सकुर कॉलोनी, वृत टिमरनी के ग्राम चारखेड़ा, अहलवाड़ा व टिमरनी तथा वृत खिरकिया के ग्राम देवपुर, कुड़ावा, खिरकिया, प्रिंस ढाबा मांदला में दबिश दी। दबिश के दौरान 38 पाव देशी शराब, 15 लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 580 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया गया।

जल स्त्रोतों के संरक्षण व पुर्नजीवन के कार्य जिले में शुरू हुए

ग्यारसपुर के मान सरोवर तालाब में श्रमदान किया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिले में नमामि गंगे परियोजना के तहत जल स्त्रोतो के जीर्णोद्धार कार्यो की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि जल का कोई विकल्प नहीं है अतः हम आने वाली पीढी के लिए प्रचुर मात्रा में जल संग्रह को विरासत में सौंपे। कलेक्टर श्री वैद्य ने ग्यारसपुर के मानसरोवर तालाब में श्रमदान कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतो के जीर्णोद्धार कार्यो का शुभारंभ किया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह अति प्राचीन सरोवर को और अधिक स्वरूप मिले इस कार्य में हम सबकी सहभागिता अतिआवश्यक है। पर्यावरण को बढावा देने के लिए चहुंओर पौधे लगे है साथ ही सरोवर में जल रहने से पर्यटको के लिए भी आकर्षण का केन्द्र बनेगें। उन्होंने स्थानीय रहवासियों से आव्हान किया कि वे जिले की इस पुराधरोहर को बनाए रखे और इसके स्वरूप में कमी ना आएं का विशेष ध्यान रखें। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने कहा कि जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक जल संवर्धन के कार्य संपादित हो इस ओर विशेष पहल की जा रही है हरेक ग्राम की पृथक-पृथक कार्ययोजना बनाई गई है ताकि संबंधित ग्राम के जल स्त्रोतो का अधिक से अधिक जीर्णोद्धार कार्य हो सकें वहीं प्राचीन जल स्त्रोतो के रखरखाव के संबंध में क्रियान्वित किए जाने वाले कार्यो को भी उन्होंने रेखांकित किया। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी सम्बोधित किया।

श्रमदान : कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ समेत, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों ने नमामि गंगे परियोजना कार्यक्रम के तहत ग्यारसपुर के मान सरोवर तालाब में जारी श्रमदान में आहूतियां देकर करीब एक ट्राली जल कुंभी को सरोवर से पृथक कराया है।

पौधरोपण

कार्यक्रम स्थल के समीप विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण के संदेशो का सम्प्रेषण किया गया है कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट सहित अन्य के द्वारा पौधरोपण कार्यक्रमों में सहभागिता निभाई है।

रेडक्रास

रेडक्रास सोसायटी के द्वारा पुराने जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक संग्रहालय के समीप पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट के अलावा रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारियों द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता निभाई है।

शपथ

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज विदिशा जिले में विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन हुआ है इन कार्यक्रमों में पौधरोपण के साथ-साथ पर्यावरण को बढावा देने के कार्यो को हम सब मिलकर करें कि प्रेरणा दी गई है। रेडक्रास सोसायटी के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद सभी को शपथ दिलाई है। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने शपथ का वाचन किया जिसे कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, समेत समिति के अन्य पदाधिकारियों के साथ-साथ अन्य अतिथि व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने दोहराया है।

पन्ना में बरसात से पहले होगा तालाबों का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण- विष्णुदत्त शर्मा

पन्ना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने गुरुवार को पन्ना में जल संरक्षण के लिए तालाबों के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए श्रमदान करते हुए कहा कि पन्ना में तालाबों के गहरीकरण का शुभारंभ पार्टी कार्यालय के पास बने तालाब से किया गया है। यह सिर्फ शुरूआत है और आने वाले दिनों में पूरे पन्ना में 100 से भी ज्यादा पुराने तालाबों का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। नगर पालिका ,शहर की जनता के साथ-साथ पार्टी के कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग तालाबों का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण मिलजुलकर करेंगे, ताकि पानी की कमी यहां नहीं रह सके और पूरा शहर की खूबसूरती को देखने लोग आए। शर्मा ने कहा कि इसके लिए विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने काफी समय पहले ही प्रयास शुरू कर दिया था और इस दिशा में अब चाहे पौधरोपण की बात हो या फिर तालाबों के गहरीकरण की काम तेजी से किया जाएगा।

बरसात से पहले होगा गहरीकरण, लगाए जाएंगे पौधे

शर्मा ने कहा कि तालाब के गहरीकरण में महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में श्रमदान करके इसमें अपनी भागीदारी निभाई है। कई सालों पहले यहां के लोगों ने जो तालाब बनाए थे उसके चलते हमे परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम जल संरक्षण के लिए आने वाली पीढ़ियो के लिए कुछ करे। लोकसभा चुनाव में 5 लाख से ज्यादा मतों से जीत हासिल करने के बाद विष्णुदत्त शर्मा लगातार जल संरक्षण की दिशा में तेजी से काम कर जनप्रतिनिधियों और लोगों को इसके लिए जागरूक कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण हुआ

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण कर जिले वासियों से पर्यावरण को शुद्ध और समृद्ध बनाने के लिए सहभागी बनने की अपील की। कलेक्टर श्री वैद्य ने जिले के समस्त नागरिकों से आव्हान किया है कि पर्यावरण के लिए हम सभी लोग मिलकर कार्य करें और अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनकी रक्षा करें ताकि वे वृक्ष का रूप ले लें। इस दौरान वन मण्डलाधिकारी श्री ओमकार सिंह मर्सकोले , अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, शमशाबाद एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों ने भी पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

नमामि गंगे अभियान शुरू : कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि आज से नमामि गंगे अभियान शुरू हुआ है, आज प्रातःकाल से ही बेतवा नदी की साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ हो गया है। जिले के सभी नगरीय निकायों में जितने भी जल संवर्धन के प्रकल्प हैं जैसे- तालाब, कुंआ, बावड़ी उनके संरक्षण और रखरखाव का कार्य किया जा रहा है। जिसकी शुरुआत कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण से की गई है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि पर्यावरण के लिए संकल्प लें और इस क्षेत्र में कार्य कर पर्यावरण को बेहतर बनाएं।

अपर कलेक्टर व डिप्टी कलेक्टरों ने किया पौधारोपण : पर्यावरण को बढ़वा देने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने भी पौधरोपण कर अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर उनका रखरखाव करने की अपील जिले वासियों से की है। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री विनीत तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती निकिता तिवारी सहित अन्य के द्वारा भी पौधारोपण में सहभागिता निभाई गई है।

कलेक्ट्रेट की महिलाकर्मियों ने रौपे पौधे : नवीन कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखों में कार्यरत महिलाकर्मियों के द्वारा भी आगे आकर कलेक्ट्रेट परिसर में पौधे रोपे हैं। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में अलग-अलग प्रजाति के पौधे रौपकर सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संदेश दिया है।

पौधारोपण में सहभागी हुए बैंक के अधिकारी, कर्मचारी : नमामि गंगे अभियान तहत कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई है इस अवसर पर एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मनोज कुमार बेहरा, लीड बैंक ऑफिसर श्री भगवान सिंह बघेल पूर्व लीड बैंक ऑफिसर श्री नरेश मेघानी सहित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पौधारोपण किया है। कार्यक्रम मे एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री बेहरा ने पर्यावरण की महत्वता बाताते हुये जानकारी कहा कि पौधरोपण अभियान केवल पेड़ लगाने के बारे में नहीं है। यह मुस्कुराहट पैदा करने, समुदाय की भावना को बढ़ावा देने और हमारे पर्यावरण में एक ठोस बदलाव लाने के बारे में है।

नर्मदापुरम से लापता भोपाल का युवक पहुंचा अजमेर :एक सप्ताह बाद ढूंढते हुए अजमेर पहुंची पुलिस

नर्मदापुरम, निप्र। नर्मदापुरम शहर से लापता भोपाल का 19 वर्षीय युवक एक सप्ताह बाद बुधवार को अजमेर में मिला। युवक अमान अली एक सप्ताह पहले अपने रिश्तेदार के घर नर्मदापुरम आया था। यहां से वो बिना बताएं कहीं चला गया। भोपाल में इमामी गेट पठार वाली गली में रहने वाले उसके परिजनों ने उसकी कोतवाली थाने नर्मदापुरम में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने युवक को ढूंढना शुरू किया। कोतवाली थाना टीआई सौरभ पांडे ने बताया युवक अमान के मोबाइल की आखिरी लोकेशन रतलाम दिखाई थी। उसे ढूंढने के लिए थाने से आरक्षक चंदन को भेजा था। लोकल रेलवे स्टेशन पर उसकी पड़ताल की गई। सीसीटीवी कैमरे में युवक के साथ एक और युवक दिखा। जो उसका दोस्त था। जो भोपाल में ही रहता था। हमने उस युवक से सम्पर्क कर पूछा तो उसने बताया कि मैं तो भोपाल आ रहा। लेकिन दोस्त अमान अजमेर के लिए निकल गया है। फिर पुलिस और परिजन अजमेर पहुंचे। लोकल पुलिस की मदद से उसे ढूंढ निकाला। जिसे भोपाल लाकर परिजनों के सुपुर्द किया। पूछताछ में उसने बताया कि घूमने के लिए वो घर से बिना बोले निकल गया था।

एनडीए की जीत पर आनंदपुर में निकाला विजय जुलूस

आनंदपुर, निप्र। भाजपा के एनडीए गठबंधन के रूप में मिली पूर्ण बहुमत की जीत से ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में सागर लोकसभा प्रत्याशी डॉ लता वानखेड़े की शानदार जीत की खुशी में आनंदपुर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में झंडा लेकर मुख्य बाजार में विजय जुलूस निकाला। ढोल ढमाकों के साथ विजय जुलूस में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह आतिशबाजी कर पटाखे फोड़े। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री आशीष शर्मा ने बताया कि मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की तीसरी बार सरकार बनने जा रही है।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने लगाई फांसी,मोहल्ले में खेल रहे थे बच्चे

हरदा, निप्र। हरदा जिले के हंडिया थाना क्षेत्र के ग्राम काकड़दा बाबर में एक 25 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम 4 बजे ग्राम काकडदा की रहने वाली सुमन (25) साल ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान पति मजदूरी के लिए गया था।जबकि पत्नी अपने दो बच्चों के साथ घर में ही थी। बच्चे जब मोहल्ले में खेल रहे थे उस दौरान मौका पाकर उसने फांसी लगा ली। महिला के पति रमेश ने बताया कि उसका अपनी पत्नी से 8 दिनों पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था।

कार की टक्कर से हुई थी दो मौतः चालक पकड़ाया, महुआखेड़ा के पास की घटना

पिपरिया, निप्र। कार की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत मामले में स्टेशन रोड पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ 304ए का अपराध दर्ज किया गया। 2 जून 24 को पचमढ़ी से पिपरिया की ओर आ रही कार चालक ने तेज रफ्तार से कार चलाते हुए बाइक को टक्कर मारकर दुर्घटना ग्रस्त कर दिया था। दुर्घटना में दो बाइक सवारों की मौत हो गई थी।

स्टेशन रोड थाना टीआई विजय सनस ने बताया मंगलवार को हादसे के आरोपी कार चालक मोहम्मद अनवर उर्फ राजा पिता मोहम्मद जफर को हिरासत में लिया गया है। आरोपी काजी कैंप थाना टीला जमालपुरा भोपाल का रहने वाला है।

आरोपी के खिलाफ304ए का अपराध दर्ज कर कोर्ट पेश किया है। आरोपी चालक ने लापरवाही पूर्वक कार चलाकर बाइक सवार कल्लू खापा निवासी मदन रघुवंशी एव ग्यारसी यादव की बाईक में टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में मौके पर ही दोनों की मृत्यु हो गई थी। घटना की जांच में वाहन चालक की तलाश के लिए घटना स्थल के चश्मदीद साक्षी और पचमढ़ी के होटलों से जानकारी जुटाई गई। आरोपी को भोपाल से हिरासत में लिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कन्या महाविद्यालय में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे

विदिशा (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या महाविद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर जिले वासियों से अधिक से अधिक पौधारोपण कर उन्हें संरक्षित करने कु अपील की गई है। पेड़ पौधे मानव जीवन के लिए धरती पर कितना महत्व रखते हैं इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं से कार्यक्रम में अवगत भी कराया गया है। महाविद्यालय की प्राचार्य के साथ मिलकर महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस विभाग व इको क्लब द्वारा महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के अनेक पौधे लगाए एवं पर्यावरण जागरुकता हेतु व्याख्यान का आयोजन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीता पांडेय ने कहा कि पर्यावरण का रखरखाव हमारी सामूहिक जिम्मेवारी है।

इसके लिए पौधों को लगाना और उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. विनिता प्रजापति ने पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जागरुकता बढ़ाने के लिए व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के एनसीसी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें एनसीसी कैडेट्स के साथ महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्राओं ने सहयोग किया।

सलकनपुर मंदिर परिसर देवी लोक निर्माण कार्य के चलते वाहनों का आवागमन 30 जून तक प्रतिबंध

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निर्माण कार्य किये जाने के तहत सलकनपुर मंदिर पर देवी लोक का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो कि प्रगति पर है। निर्माण कार्य में प्रगति लाने के लिए मटेरियल शिफ्टिंग, पत्थरों की मूर्ति, कॉलम इत्यादि भी लगातार परिवहन किया जा रहा है। इस संबंध में पूर्व में जारी आदेश को आंशिक संशोधन करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत अब मंदिर परिसर तक वाहनों का आवागमन 30 जून 2024 तक प्रतिबंधित किया गया है। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री वृंदावन सिंह द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अन्तर्गत जन सामान्य के हित एवं जानमाल की सुरक्षा की दृष्टि से संलकनपुर मंदिर सड़क पहुंच मार्ग मे वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। लगाये गये प्रतिबंध के तहत रेहटी-बुदनी मार्ग पर स्थित संलकनपुर मंदिर प्रवेश द्वार क्रमांक 01 से मंदिर तक समस्त प्रकार के वाहनो का अवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। केवल निर्माण कार्य में संलग्न एवं शासकीय वाहन प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे।

किसानों को खेती में ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया

हरदा (निप्र)। जिले के किसानों को प्रोत्साहित एवं जागरूक करने के उद्देश्य से चम्बल फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लि. की ओर से बुधवार को ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को ड्रोन का उपयोग करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि कृषि में ड्रोन के उपयोग से समय की बचत भी हो सकेगी। ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिद्धि विनायक आजीविका स्वसहायता समूह, अबगांव खुर्द से ड्रोन दीदी श्रीमती संगीता चौहान, प्रभारी उप संचालक कृषि विभाग श्री संजय यादव, सहायक संचालक कृषि डॉ. भगवत सिंह, चम्बल फर्टिलाइजर्स के उप प्रबंधक श्री सुरेन्द्र सिंह राठौड़, प्रधान मंत्री किसान सम्रद्धि केंद्र के संचालक सहित प्रगतिशील 60 किसानों ने भाग लिया। उप संचालक श्री यादव ने किसानों को नई तकनीक को अपनाने के लिऐ प्रोत्साहित किया ताकि दवाइयों से होने वाले स्वास्थ्य संबधी नुकसान से बचाव हो सके एवं समय, श्रम लागत को कम से कम किया जा सके।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, शुक्रवार 07 जून , 2024

नशे के खिलाफ 8 थानों की पुलिस का बड़ा अभियान, 50 से ज्यादा ड्रग पैडलर्स गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ा अभियान आरंभ किया है। इस अभियान में आठ थानों की पुलिस शामि?ल रही। इस दौरान ड्रग पैडलर्स के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की गई। पुलिस ने 50 से ज?यादा ड्रग पैडलर्स को गिरफ्तार किया है।इसके साथ ही पुलिस ने बुधवार को नशे के विरुद्ध चल रहे अभियान में छात्र-छात्राओं को भी शामिल कर लिया। हाथों में तख्तियां लेकर रैली के रूप में निकले अफसरों ने होस्टल व कोचिंग सेंटरों में छात्र-छात्राओं से चर्चा कर नशे से दूर रहने की सलाह दी। डीसीपी जोन-4 ऋषिकेश मीना के मुताबिक जूनी इंदौर सीएसपी संभाग के अंतर्गत आने वाले थानों भंवरकुआं, जूनी इंदौर और रावजी बाजार से बल लेकर संयुक्त रूप से जागरूकता रैली निकाली गई। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में पुलिस ने होस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राओं और कोचिंग सेंटरों पर भी चर्चा की। इस क्षेत्र में कई कॉलेज, स्कूल, विश्वविद्यालय और कोचिंग सेंटर हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले सैकड़ों छात्र क्षेत्र में रहते हैं। एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद यादव के मुताबिक बच्चों को भी अभियान से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। अफसरों ने नार्को हेल्पलाइन के नंबर साझा कर सूचना देने की सलाह दी है।

देश की 25 बड़ी जीत में से 11 मध्य प्रदेश के नाम

इंदौर। मध्यप्रदेश में इस बार भाजपा ने कमाल कर दिया। प्रदेश की सभी 29 सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने के साथी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों ने भी कई रिकॉर्ड भी बनाएं हैं। इंदौर का नाम तो इतिहास में अंकित हो गया है, वहीं देश में जो 25 बड़ी जीत दर्ज हुई है उनमें से 11 मध्यप्रदेश के खाते में गई है। इस महाविजय ने मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा का राजनीतिक कद भी बढ़ा दिया है।मध्य प्रदेश के खाते में 11 सीटों पर जो बड़ी जीत दर्ज की गई है वह सारी जीत चार लाख वोट से ज्यादा के अंतर से हुई है। बड़ी जीत के पहले पांच नाम में से भी दो मध्य प्रदेश के ही है। देश में सबसे ज्यादा वोट से जीतने वालों में इंदौर के सांसद शंकर लालवानी का नाम सबसे ऊपर है। वहीं इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जबलपुर से सांसद बने आशीष दुबे, भोपाल से पहली बार सांसद बने आलोक शर्मा,मंदसौर से तीसरी बार जीते सुधीर गुप्ता, सागर से जीती महिला मोर्चे की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लता वानखेडे, होशंगाबाद से पहले चुनाव जीते दर्शन सिंह चौधरी,देवास से दूसरा चुनाव जीतने वाले महेंद्र सिंह सोलंकी, दमोह से सांसद बने राहुल लोधी के नाम शामिल है। केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक का नाम बड़ी जीत वालों में 26वें नंबर पर है। इनमें से भी लालवानी, शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा,ज्योतिरादित्य सिंधिया, आलोक शर्मा और सुधीर गुप्ता 5 लाख से ज्यादा मतों से जीते हैं। लालवानी, चौहान, शर्मा सिंधिया, गुप्ता के साथ ही लता वानखेड़े, दर्शन सिंह चौधरी, महेंद्र सिंह सोलंकी और राहुल लोधी ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में 1952 से लेकर अभी तक हुए चुनाव में सबसे बड़ी जीत का भी रिकॉर्ड बनाया है।

विजयवर्गीय ने अक्षय बम को दिया लालवानी की विराट जीत का श्रेय

इंदौर। पर्यावरण दिवस पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने विधानसभा क्षेत्र की एक बावड़ी की सफाई के लिए पहुंचे। वहां मंच से उन्होंने भाजपा की जीत का श्रेय कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय बम को दिया। अक्षय ने नाम वापसी के अंतिम दिन फॉर्म वापस ले लिया था और इंदौर में कोई कांग्रेस उम्मीदवार नहीं था। विजयवर्गीय ने कहा कि शंकर लालवानी को पौने 12 लाख वोटों की जीत मिली है। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। शायद ही इसे कोई तोड़ पाए। लालवानी की सबसे बड़ी जीत का श्रेय अक्षय बम को जाता है। उनके कांग्रेस छोड़ने के साहसिक निर्णय के कारण ही यह जीत हमें मिली है। विजयवर्गीय ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से अक्षय बम के लिए तालियां भी बजवाई। इसके बाद विजयवर्गीय पंचकुइयां क्षेत्र की बावड़ी व घाटों की सफाई करने पहुंचे। इसके अलावा उन्होंने कान्ह नदी का निरीक्षण भी किया।नदी किनारे गाद और गंदगी देख विजयवर्गीय ने अफसरों से पूछा कि बारिश से पहले नदी को साफ करने की प्लानिंग नहीं हुई क्या? इसके बाद उन्होंने कहा कि यदि समय पर नदी साफ नहीं हुई तो फिर शहर की निचली बस्तियों में पानी भरेगा। उन्होंने अफसरों को नदी से गाद हटाने के निर्देश दिए और कहा कि नदी से निकली गाद ज्यादा समय तक किनारों पर न रखें। बारिश आने पर गाद फिर नदी में चली जाएगी। विजयवर्गीय ने पर्यावरण दिवस पर अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लिया और पौधे लगाए।

तालाब और कुओं की सफाई के लिए चलेगा विशेष अभियान

इंदौर। नगर निगम ने शहर के जल स्रोतों के संरक्षण के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। यह अभियान 5 जून से शुरू होकर 15 जून तक चलेगा। इस दौरान शहर की 53 बावडी, 27 तालाब और कई कुओं की आवक चैनल की सफाई की जाएगी। साथ ही कान्ह और सरस्वती नदी और पर्यावरण संरक्षण के लिए काम किया जाएगा नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जोन 1 के वार्ड 9 के अंतर्गत आने वाले कमला नेहरू नगर स्थित प्राचीन बावड़ी से इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर निगमायुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, अश्विनी शुक्ल सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।इस अवसर पर विजयवर्गीय ने कहा कि जल ही जीवन है इसलिये इसके महत्व को समझना सभी के लिए जरूरी है। हमें संकल्प के साथ अधिक से अधिक पौधे भी लगाना है और इन पौधों का संरक्षण भी करना है ताकि इंदौर के गिरते भू-जल स्तर को रोका जा सकते और इंदौर का तापमान नियंत्रित रहे। पेड़ बहुत बड़ा वाटर रिचार्जर होता है।

हम ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं और स्कूलों में बच्चों को पौधों के बीज दें और उन्हें पेड़ तैयार करने के लिए प्रेरित करें ताकि बच्चों का उस पौधे से भावनात्मक लगाव बना रहे। महापौर भार्गव ने कहा कि हमने आचार संहिता लागू होने के पहले ही वंदे जलम् अभियान शुरू करते हुए जल संरक्षण का काम शुरू कर दिया था।

तालाब की सफाई के लिए होगा पौधरोपण अभियान

इस अभियान के तहत शहर के तालाब, बावड़ी, कुओं की सफाई की जाएगी और पानी की आवक चैनलों की सफाई की जाएगी। महापौर ने कहा कि हमें जल स्रोत संरक्षण अभियान के तहत इस प्रकार से काम करना है कि आने वाले समय में उक्त जल स्रोत से आस-पास के क्षेत्र के साथ ही पानी के टैंकर भी भरे जा सकें। जल स्रोतों के संरक्षण के साथ-साथ इंदौर में बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा।

बायपास पर शराब दुकान में आग लगी, लाखों रुपये की शराब और दुकान जलकर खाक

काउंटर में रखे रुपये भी जले, धमाकों के साथ फूटी शराब की बोतलें

इंदौर के बायपास पर गुरुवार दोपहर शराब दुकान में आग लग गई। दुकान में लाखों रुपये की शराब रखी थी, जो जलकर खाक हो गई। आग लगने के समय दुकान के करीब ही खड़े होकर कुछ ग्राहक बीयर पी रहे थे। वे भी आग लगने के बाद भागे। आग कैसे लगी। इसका पता नहीं चल पाया है। संभवत- शार्ट सर्किट के कारण आग लगी है। फायर ब्रिगेड के पहुंचे के पहले ही दुकान पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। आग लगने के आधे घंटे बाद दमकले पहुंची और आग को बुझाकर आसपास की दुकानों में फैलने से रोका।

कर्मचारी दुकान छोड़कर भागे

दोपहर में दुकान के पिछले हिस्से में आग लगी। दुकान में आग बुझाने के यंत्र नहीं थे। कर्मचारियों ने पानी की बाल्टियों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग जब फैलने लगी तो कर्मचारी दुकान छोड़कर बाहर खड़े हो गए। दस

मिनट के भीतर आग की लपटों ने दुकान को चपेट में ले लिया। इस दौरान कुछ देर के लिए सड़क का ट्रैफिक भी रूक गया। कई लोग जलती हुई दुकान को देखने के लिए रुक गए थे। आग के कारण काउंटर में रखे रुपये भी जल गए। आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शराब से भरी बोतलें होने के कारण आग लगने पर धमाके भी हुए।

सिमरोल और भेरूघाट में ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के मकानों में आ गई दरारें, एनएचएआई ने किया इनकार

इंदौर। इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग के निर्माण के दौरान दोबारा सिमरोल के घरों में दरारें आने लगी है। ग्रामीण चाहते है कि ब्लास्टिंग से होने वाले नुकसान के संबंध में फिर से सर्वे करवाया जाएगा। मगर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया है।ग्रामीण और एनएचएआई आमने-सामने आ चुके है। इसके चलते राजमार्ग का काम सिमरोल में रुका है। दस दिन से ग्रामीण निर्माण एजेंसी वहां छोड़कर बाकी तरफ सड़क बनाने में लगी है। हालांकि एनएचएआई अब जिला प्रशासन को हस्तक्षेप करने की गुहार लगा रहा है, लेकिन ग्रामीण नुकसान की भरपाई के लिए अड़े हुए है। जबकि एनएचएआइ और निर्माण एजेंसी नेताओं के माध्यम से ग्रामीणों पर दवाब बना रहे है।राजमार्ग के लिए सिमरोल और भेरूघाट में ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के मकानों में दरारें आ गई थी। एनएचएआइ ने आइआइटी इंदौर से सर्वे करवाया। अब ग्रामीण इसे सर्वे को गलत बता रहे है, क्योंकि सर्वे के लिए टीम सिर्फ कुछ घरों का निरीक्षण कर लौट गई। ग्रामीणों ने यहां तक आरोप लगाया कि मनमाने ढंग से सर्वे रिपोर्ट बनवाई है।ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण एजेंसी लगातार स्थानीय नेताओं के माध्यम से ग्रामीणों पर दवाब बना रही है। इसके लिए वह बड़े नेताओं का सहारा ले रहे है। ग्रामीण दोबारा नई संस्था से सर्वे की मांग पर अड़े है। नुकसान के बदले में मुआवजा चाहते है न कि मकानों की मरम्मत। निर्माण एजेंसी के मुताबिक ब्लास्टिंग इलेक्ट्रॉनिक ड्रिलिंग के माध्यम से करवाई जा रही है। कुछ लोग ग्रामीण को भड़का रहे है।

नहीं कर रहे छिड़काव

राजमार्ग बनाने वाली निर्माण एजेंसी पर्यावरण को लेकर लगातार नियमों का उल्लंघन करने में लगी है। सड़क निर्माण के दौरान रास्ते पर पानी का छिड़काव करने के निर्देश है। ताकि धूल न उड़े। मगर एजेंसी ऐसा नहीं कर रही है। इन दिनों इंदौर-खंडवा मार्ग पर जगह-जगह धूल के गुबार उठ रहे हैं। इसके चलते वाहन चालकों को गाड़ी चलाने में काफी दिक्कतें हो रही है। वैसे सड़क पर पानी के छिड़काव के लिए एजेंसी के पास अलग से मद होता है।

इंदौर में सब्जी वाले का वेश बनाकर चोरों तक पहुंची पुलिस, एक करोड़ 21 लाख रुपये का माल बरामद

इंदौर। चोरी-नकबजनी और लूट के आरोपियों से पुलिस ने एक करोड़ 21 लाख रुपये का माल बरामद कर लिया है। बदमाशों ने तेजाजी नगर, राऊ, राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में चोरी की 10 से ज्यादा वारदातों में शामिल होना स्वीकारा है। इस गिरोह में सुनार भी हैं, जो परखे और तोले बगैर अनुमान से ही सोना खरीद लेते थे। एक आरोपित कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री का करीबी है। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए ग्रामीण इलाकों में सब्जी का ठेला भी लगाया था। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक पुलिस ने पिछले दिनों करम सिंह और वेलसिंह को ग्राम गुराड़िया नोएडा से गिरफ्तार कर सोना बरामद किया था। पुलिस कोर्ट के आदेश से दोनों आरोपियों को पुन-रिमांड पर लेकर आई थी। पूछताछ में बताया ठाकुरसिंह निवासी कालीदेवी, अशोक मांझी निवासी बजरंग कालोनी टांडा और विकास उर्फ सोनू माहेश्वरी निवासी टांडा के साथ करीब एक करोड़ रुपये का सोना चुराया है।प्रोबेशनर आईपीएस करणदीप सिंह की टीम ने बाग टांडा क्षेत्र में दबिश देकर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों से करीब डेढ़ किलो सोना, दो किलो चांदी, तीन लाख रुपये नकद, जीप सहित एक करोड़ 21 लाख रुपये का माल जब्त कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में 10 से ज्यादा वारदातें स्वीकार की हैं। अशोक मांझी कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री का करीबी है। गिरफ्तारी से बचने के लिए नेताओं ने पुलिस पर दबाव बनाया था। अशोक के स्वजन ने पुलिस पर अपहरण की कायमी करवाने की कोशिश भी की। आईपीएस के हस्तक्षेप के बाद नेता पीछे हटे और सोना जब्त करवाने पर सहमत हुए। डीसीपी के मुताबिक इस गिरोह में कई बदमाश हैं। दो आरोपियों के नाम सामने आए हैं, जिनकी तलाश है। गिरफ्तार आरोपित अशोक और ठाकुर के विरुद्ध कई केस दर्ज हैं।

● बदमाश से पांच मोबाइल और चोरी की बाइक जब्त

भंवरकुआं पुलिस ने शातिर लुटेरे को पकड़ा है। आरोपित से लूट के पांच मोबाइल और एक चोरी की बाइक मिली है। पुलिस के मुताबिक आरोपित मुरारी जाधव उर्फ लाला निवासी पालदा खुर्द चैनपुर खरगोन है। आरोपित छात्र-छात्राओं से फोन लूट लेता था। पुलिस ने लूट के मोबाइल खरीदने वाले मिथुन नायक को भी आरोपित बनाया है। लाला से एक बाइक मिली है, जो राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र से चुराई गई है।

फर्जी काम दिखाकर करवा दिया 52 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान

इंदौर। इंदौर नगर निगम में फर्जीवाड़े सामने आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बगैर काम फर्जी बिल लगाकर 140 करोड़ रुपये के भुगतान के मामले में जांच अभी पूरी भी नहीं हुई और जनकार्य और उद्यान विभाग का फर्जीवाड़ा सामने आ गया अधिकारियों ने फर्जी तरीके से सड़क और उद्यान के अधूरे काम को पूरा बताकर 52 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान भी करवा दिया। इसके लिए मेजरमेंट बुक में फर्जी इंट्रियां की गईं। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने जनकार्य विभाग में हुए फर्जीवाड़े के लिए जोनल अधिकारी सतीश गुप्ता को निलंबित कर दिया। इसी विभाग के उपयंत्री कमलेश शर्मा की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इस मामले में सहायक यंत्री लक्ष्मीकांत बाजपेई को निलंबित कर दिया गया है जबकि सब इंजीनियर हरीश कारपेंटर की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। महापौर परिषद सदस्य और जनकार्य एवं उद्यान विभाग प्रभारी राजेंद्र राठौर ने चारों कार्रवाई की पुष्टि की है।

जोन 14 के वार्ड 79 में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण में यह घोटाला हुआ है। निर्माण का ठेका सरकार इंफ्रा के पास था। शिकायत के बाद जांच में पता चला कि मेजरमेंट में जो काम पूरे होना बताए गए हैं वह काम कभी हुए ही नहीं। नियमानुसार मेजरमेंट बुक में रोजाना के काम की जानकारी, फोटो होते हैं। इसके नीचे ठेकेदार, इंजीनियर के हस्ताक्षर होते हैं। ठेकेदार के साथ मिलकर अधिकारियों ने इस मेटरमेंट बुक में फर्जी एंट्रियां की। इस बुक के आधार पर ठेकेदार को 52 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान कर दिया गया।

बगीचे के काम में भी गड़बड़ी

वार्ड 79 में ही सरकार इंफ्रा को बगीचे के जीर्णोद्धार का काम भी मिला था। काम शुरू होने से पहले ही काम पूरा बताकर इसके बिल नगर निगम में लगाए जा चुके थे। अधिकारी और ठेकेदार मिलकर इस तरह का फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। निगमायुक्त ने उद्यान विभाग के सहायक यंत्री को निलंबित कर दिया जबकि एक की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

ठेकेदार को भी करेंगे ब्लैक लिस्टेड

एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि ठेकेदार फर्म सरकार इंफ्रा को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई की जा रही है। फर्म को भुगतान पर भी रोक लगाई जा रही है। यह फर्म जोन 13 और 14 में कई जगह इस तरह के फर्जीवाड़े कर चुकी है। इस फर्म द्वारा पिछले 10 वर्ष में किए गए कार्यों की जानकारी निकालकर जांच करेंगे। इसमें फर्जीवाड़ा मिलता है तो कार्रवाई करेंगे।

इंदौर में संघ प्रचारक को ठगों ने धमकाया

महाराष्ट्र से तीन अलग-अलग नंबरों से कॉल कर एफआईआर और सजा की दी धमकी

इंदौर (नप्र)। इंदौर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय आए एक संघ प्रचारक को डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। कॉल करने वालों की लोकेशन महाराष्ट्र की निकली है।

कॉल करने वालों ने संघ प्रचारक को उनके खिलाफ एफआईआर होने का झांसा दिया। प्रचारक के दोनों मोबाइल नंबर पर ठगों से अलग-अलग बात हुई। कॉल करने वालों ने वीडियो कॉल और डीप फेक कॉल किया। लेकिन प्रचारक ने बाद में बात करने का कहकर मामला टाल दिया। इसके बाद उन्होंने अपने साथ आए कार्यकर्ता को पूरी बात बताई। बुधवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। सदर बाजार पुलिस ने संघ कार्यकर्ता दौलत राम उर्फ सोहन जोशी निवासी शांति पथ, चिमनबाग की शिकायत पर तीन अज्ञात नंबरों पर केस दर्ज किया है। दौलत राम ने बताया कि वह सामाजिक

कार्यकर्ता हैं। 29 मई की शाम को संघ के वरिष्ठ प्रचारक देवेंद्र आर रेड्डी, पुत्र चिनप्पा रेड्डी के पास तीन अलग-अलग नंबरों से कॉल आया।

कॉल करने वाले खुद को महाराष्ट्र पुलिस से बताकर व्यक्तिगत जानकारी मांगने लगे। देवेंद्र ने जब नाम-पता पूछा तो उन्होंने कहा कि तुम्हारे नाम पर महाराष्ट्र में एफआईआर है। तुम कहना नही मानोगे तो तुम्हें जेल भेज देंगे।

टीआरएआई के नाम से किया पहला कॉल

संघ प्रचारक देवेंद्र ने बताया कि वह संघ कार्य के लिए देशभर में घूमते हैं। फिलहाल उज्जैन में रहते हैं और कुछ दिन पहले ही मुंबई से इंदौर आए थे। उन्होंने बताया कि 29 मई को उनके बीएसएनएल के नंबर पर कॉल आया। ठग ने टीआरएआई का अफसर बन बात की। कहा कि आप पर केस दर्ज हुआ है।आपने अपने नंबर को लेकर गलत जानकारी दी। इस पर देवेंद्र ने कहा कि काफी पुराना नंबर है। इस पर ठग ने नंबर ब्लॉक करने की धमकी देते हुए आधार कार्ड और अन्य जानकारी मांगी। नंबर ब्लैक लिस्ट में डालने की धमकी देते हुए ठग ने कहा कि नंबर ब्लॉक होने से बचना है तो ऑनलाइन शिकायत करो। इस दौरान देवेंद्र से दूसरा नंबर लेकर उस पर वॉट्सऐप कॉलिंग की। इस कॉल पर ट्राई की एफआईआर का नंबर बताते हुए 2 साल की सजा होने की धमकी दी।

इंदौर में सिर्फ महिलाओं के लिए रोजगार मेला 25 को

इंदौर (नप्र)। इंदौर जिले में युवाओं को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में नौकरियां दिलाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस सिलसिले में संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) नन्दा नगर, इंदौर में 25 जून 2024 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

इस रोजगार मेले में प्रतिभाशाली महिलाओं के लिए अपने करियर को आगे बढ़ाने का शानदार अवसर है। कौशल के आधार पर केवल महिला उम्मीदवार इस जॉब के लिए आवेदन कर सकती हैं। इस मेले में ट्रेनिंग ऑफिसर, एसएमओ तथा क्वालिटी चेकर के पदों पर नियुक्ति होगी। 18 वर्ष से 35 वर्ष उम्र की महिलाएं शामिल हो सकती है। आवेदक के पास न्यूनतम योग्यता 8वीं, 10वीं,12वीं, आईटीआई तथा स्नातक अनिवार्य है।

न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड धार द्वारा एक हजार पदों पर तथा एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हलोल वडोदरा द्वारा 150 पदों पर नियुक्ति दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जोनल टीपीओ मीना लोहिया के मोबाइल नम्बर 9425090444 तथा ?विपिन पुरोहित के मोबाइल नम्बर 8770358425 पर संपर्क किया जा सकता है

नए सांसद से इंदौर की अपेक्षा, इंदौर-खंडवा रोड की बाधाएं करनी होंगी दूर

इंदौर। इंदौर ने अपने सांसद को बड़ी जीत की सौगात तो दे दी है लेकिन बड़ी जीत के साथ जिम्मेदारी भी बड़ी है। सांसद को इंदौर की चुनौतियों को प्राथमिकता के साथ हल करना होगा। इंदौर के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के प्रोजेक्ट, रेलवे व मेट्रो के कार्यों के अलावा सांसद को शहर के मेट्रोपॉलिटन सिटी के दर्जे के साथ ट्रैफिक जाम समस्या से निजात दिलाने में अहम भूमिका निभानी होगी।एनएचएआइ द्वारा बनाए जा रहे इंदौर-खंडवा रोड का निर्माण कार्य वर्ष 2025 तक पूरा किया जाना है। ब्लास्टिंग के कारण सिमरोल के ग्रामीणों के घरों में दरार होने से टनल व 400 मीटर एप्रोच रोड का काम रुका है। इसके अलावा सड़क निर्माण की कुछ बाधाओं को भी हटाना है। एनएचएआइ द्वारा बनाए जा रहे गणेश घाट के फ्लाईओवर के लिए एक लाख क्यूबिक मीटर फ्लाय एश की जरूरत है। सिंगाजी पावर प्लांट से इसकी उपलब्धता करवानी होगी। तभी दिसंबर तक यह रोड बन पाएगा। बायपास पर 28 किलोमीटर के दायरे में 137 करोड़ की लागत से तीन फ्लाईओवर का निर्माण होना है। इस हिस्से में विद्युत लाइन व नर्मदा लाइन तय समय पर शिफ्ट हो, इसके लिए सांसद को सभी विभागों से सामंजस्य बैठाना होगा, तभी तय समय में ये ब्रिज तैयार हो पाएंगे।

पश्चिमी बायपास की 64 किलोमीटर की सड़क का निर्माण तभी शुरू हो पाएगा, जब इस रोड निर्माण में आ रही जमीनों का मुआवजा 1200 किसानों को मिलेगा। इस सड़क निर्माण के लिए एजेंसी तय हो गई है। मुआवजा मिलने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू होगा। पूर्वी बायपास के निर्माण के लिए जमीन व अनुमति दिलाने में भी अहम भूमिका निभानी होगी।

मेट्रोपॉलिटन सिटी का दर्जा व ट्रैफिक समस्या हल हो

इंदौर शहर का मास्टर प्लान जल्द से जल्द लागू हो और इंदौर को मेट्रोपॉलिटन सिटी का दर्जा मिल सके। इसके लिए सांसद को अहम भूमिका निभानी होगी। इसके अलावा शहर के चौराहों पर ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को निजात मिले और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा मिले और शहर की सड़कों पर वाहनों का बोझ न बढ़े, इसके लिए सांसद को शहर में विशेष नीति बनानी होगी।

प्रोजेक्ट समय पर पूरा कर रेलवे की बढ़ानी होगी रफ्तार

600 करोड़ रुपये की लागत से इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन प्रोजेक्ट का कार्य होना है। 2026 में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए सागौर-धार के बीच जमीन अधिग्रहण का पेंच फंसा है। इसमें सांसद को हस्तक्षेप करना होगा। वहीं इंदौर-बुधनी नई रेल लाइन प्रोजेक्ट लंबे समय से जमीन अधिग्रहण व किसानों की नाराजगी के बीच उलझा है। इस संबंध में किसानों के साथ बैठक कर सांसद को रास्ता निकालना होगा। वर्षों से इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट लंबित है। इसकी डीपीआर रेल मंत्रालय के पास है। ऐसे में संसद को अन्य सांसदों के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट को धरातल पर लाना होगा।

तय समय में मेट्रो का कार्य पूरा करवाने का प्रयास

मेट्रो के लिए जमीनों के अधिग्रहण में कई जगह विभागों व निजी संस्थानों के बीच पेंच फंसा हुआ। इसमें सांसद को सभी अधिकारी व लोगों से समन्वय कर राह निकालनी होगी। मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के मुद्दे पर मल्हारगंज व सुभाष मार्ग के लोगों के बीच कुछ असहमति है। ऐसे में सांसद को शहर हित में विरोध कर रहे इस क्षेत्र के लोगों से चर्चा कर मेट्रो प्रोजेक्ट तय समय में जून 2027 तक पूरा हो, इसके लिए प्रयास करना होंगे।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शुक्रवार 07 जून , 2024

संपादकीय

लोकतंत्र की जय...

इस आम चुनाव के दौरान पक्ष और विपक्ष के गठबंधनों में जैसी गहमागहमी, जिस तरह के आरोप-प्रत्यारोप देखे गए, विपक्षी पार्टियों ने निर्वाचन आयोग पर पक्षपातपूर्ण रवैए के आरोप लगाए और मशीनों में मतों की गड़बड़ी की आशंका व्यक्त की गई, नतीजों ने उन सबको धुल-पोंछ दिया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से स्पष्ट है कि जनता ने अपने विवेक से प्रतिनिधियों का चुनाव किया है। उन्होंने जाति, धर्म, संप्रदाय, मुफ्त की योजनाओं आदि के बहकावे में न आकर एक ऐसी सरकार के पक्ष में मतदान किया, जो उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने, देश की असल समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करे।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्तापक्ष के विरोध में कोई स्पष्ट लहर नहीं थी, मगर यह संकेत लगातार मिल रहा था कि जनता बदलाव चाहती है। विपक्षी दलों के गठबंधन ने जरूर महंगाई और बेरोजगारी जैसे कुछ बुनियादी मुद्दे उठाए थे, मगर सत्तापक्ष ने उन्हें किनारे करने की हर संभव कोशिश की। वह लगातार भावनात्मक मसले उठाता रहा। पर लोगों ने चुप रह कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। इसका सबसे बड़ा प्रमाण उत्तर प्रदेश के नतीजे हैं। वहां अयोध्या में राममंदिर निर्माण को सत्तापक्ष अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करता रहा, मगर वहां के लोगों ने उसे नकार दिया। यहां तक कि अयोध्या के भाजपा प्रत्याशी को भी अपना समर्थन नहीं दिया।

चुनावों में हर राजनीतिक दल अपना गणित बिठाने की कोशिश करता है, जाति और धर्म का समीकरण इसमें बहुत मायने रखता है, पर इस बार

वह समीकरण भी बहुत कारगर साबित नहीं हुआ। बेशक भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, मगर जनादेश उसके खिलाफ ही कहा जा सकता है। वह अपने बल पर पूर्ण बहुमत की संख्या नहीं जुटा सकी। जबकि इस चुनाव में भाजपा ही सबसे साधन संपन्न पार्टी थी। उसने चुनाव पर जितना खर्च किया, उतना सारे दलों ने मिल कर भी शायद न किया हो।

प्रचार-प्रसार में दूसरे दल उसके सामने फीके पड़ गए थे। संचार माध्यमों पर हर जगह उसकी मौजूदगी नजर आती थी। फिर भी अपने दम पर तीन सौ सत्तर और गठबंधन के स्तर पर चार सौ से पार सीटें जीतने का जो लक्ष्य लेकर वह चली थी, उसके आसपास पहुंचना भी उसके लिए मुश्किल हो गया। इस चुनाव में एक बार फिर क्षेत्रीय दल मजबूत होकर उभरे हैं। इससे भी साबित होता है कि लोगों के लिए निजी समस्याएं और स्थानीय मसले ज्यादा अहम थे।

चुनाव के बाद हर राजनीतिक दल अपनी सफलता या विफलता की समीक्षा करता और उससे आगे के चुनावों के लिए सबक लेता है। वह सब होगा, पर महत्त्वपूर्ण यह है कि जनादेश को समझा जाए। यह केवल सीटों के बंटवारे में जाति-धर्म का समीकरण बिठाने और गठबंधन में पार्टियों के मतों के परस्पर जुड़ जाने का नतीजा भर नहीं है। इसमें सत्तापक्ष के प्रति लोगों की निराशा और उदासीनता भी ध्वनित होती है। मुफ्त के राशन और कुछ अन्य सुविधाएं लोगों में जीवन की बेहतरी का भरोसा नहीं जगा पाईं। इससे यह स्पष्ट हो गया कि सत्तापक्ष जिन सुविधाओं और आर्थिक तरक्की को अपनी उपलब्धियां बताता रहा, उन पर लोगों का विश्वास नहीं बन पाया। इसलिए अब जो भी सत्ता की बागडोर संभालेगा, उससे यही अपेक्षा रहेगी कि वह इस जनादेश के निहितार्थों को समझते हुए ही नीतियों और योजनाओं का निर्धारण करे।

पर्यावरण गीत : जीवन यही हमारा है

कल्पना दुबे (खण्डवा मप्र)

प्रेरित करता हर पल हर क्षण पर्यावरण हमारा है।
पृथ्वी, सूर्य, अग्नि, जल, वायु जीवन यही हमारा है।
जैव विविधता अनुकूलन ने रचा नया संसार यहाँ।
ब्रह्मा की सृष्टि बनकर फिर पृथ्वी का श्रृंगार किया।
भू, जल, अग्नि, अंबर, वायु वनस्पति और मानवता।
रहे निरंतर साथ यदि तो नित नव निर्मित हो वसुधा।
नदियाँ झील समुद्र वनों ने जन जीवन को संवारा है।
प्रेरित करता.....
वृक्ष पुष्प हरियाली वन ने हरा भरा वसुधा को किया।
सूर्य - प्रकाश, चंद्र - किरण परबत, जंगल और ये सरिता।
पर्यावरण और जल संरक्षण हो सबकी यह प्राथमिकता।
रहे मनुष्य साथ इनके तो नित नूतन हो वसुंधरा।
विष्णु की इस स्वच्छ धरा ने पर्यावरण को संवारा है।
प्रेरित करता.....
कला, ज्ञान, विज्ञान के दम पर मानव ने रच दी दुनिया।
भूल गया फिर अपनी सीमा धरती से खिलवाड़ किया।
कटे पेड़ और उजड़ी धरती निर्जन वन और बर्बरता।
परिणाम जब इसका देखा रो रो सिसकी मानवता।
पुनः प्रेम प्रकृति से कर अब त्रुटियों को स्वीकारा है।
प्रेरित करता.....
स्वच्छ हो पृथ्वी महके जीवन हरियाली और वृक्षों से।
तो बादल आच्छादित हों अमृत वर्षा कर दे नभ से।
स्वच्छ धरा, वायु, जल अंबर, पेड़ ,पहाड़ उसकी प्रभुता।
स्वच्छ हो तन मन एवं जीवन तो बड़ जाए सार्थकता।
शिव के सत्य सनातन जग को हर क्षण हमने निहारा है।
प्रेरित करता.....

आज का कार्टून

मोदी युग के अंत की हुई शुरुआत...!

हिंदुत्व, उग्र राष्ट्रवाद, और उन्माद की हद तक भावनात्मक माहौल बना कर चुनावी सफलता हासिल करते रहने का खुद नरेंद्र मोदी में आत्म-विश्वास इतना गहरा था कि 2024 आते-आते उन्होंने विकास या जन-कल्याण की बात करनी ही छोड़ दी। या इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि ऐसा करने की उनकी क्षमता चूक गई। क्षमता संभवतः इसलिए चूक गई, क्योंकि उनके शासनकाल का जो रिकॉर्ड है, उसे देखते हुए लोगों के लिए उनके ऐसे उनके वायदों पर भरोसा करना संभव नहीं रह गया। 2024 के चुनाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी और उनके रणनीतिकारों ने 'विकसित भारत' की कहानी तैयार की थी। लेकिन मतदान का पहला चरण आते-आते यह साफ हो गया कि वैसे ऊंचे सपनों में अब आम जन की रुचि नहीं है। जब उनकी अपनी जिंदगी अवनति की तरफ हो, तब यह लाजिमी है कि उन्नत या विकसित भारत के कथानक में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। तो मोदी और उनकी पार्टी ने पहले चरण के मतदान के बाद इस कहानी चर्चा ही छोड़ दी। उसके बाद वे हिंदू-मुस्लिम के अपने आजमाए फॉर्मूले पर लौट गए।

सत्येन्द्र रंजन

चुनावी राजनीति का एक हद तक सामान्य रूप रूप में लौटने का संकेत ही इस आम चुनाव की विशेषता है। इसका अर्थ यह है कि नरेंद्र मोदी परिघटना पर विराम लग गया है। यह धारणा टूट गई है कि नरेंद्र मोदी का करिश्मा चुनावों में उसकी सफलता की गारंटी बना रहेगा। इस आम चुनाव में वास्तव में यही कथित करिश्मा जख्मी हुआ है।

साल 2024 में आकर राष्ट्रीय जनादेश एक बार फिर खंडित रूप में सामने आया है। वैसे 2014 और 2019 में भी जनादेश इलाकाई आधार पर खंडित रहा था। तब उत्तर और पश्चिमी भारत में भाजपा का सिक्का चला था। दक्षिण में कर्नाटक तक उसके पांव जरूर पसरे थे, लेकिन बाकी दक्षिणी राज्यों में उसकी पहुंच नहीं बन सकी थी। पूर्वी भारत और उत्तर-पूर्व की तस्वीर मिली-जुली रही थी। 2024 में उत्तर और पश्चिम भी बंट गए। यह जरूर है कि वोट प्रतिशत के लिहाज से भाजपा के पांव दक्षिणी राज्यों में अधिक पसरे हैं, भले ही उसे सीटों के अर्थ में वहां उस हद तक फायदा ना हुआ हो।

इस सूरत को देखते ताजा जनादेश के बारे में कोई समग्र निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। भाजपा को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में तगड़ी चोट लगी है। इसके अलावा कई राज्यों में उसे सीटों का नुकसान हुआ है। मगर ये वो राज्य हैं, जहां वह दो बार से चरम सफलता हासिल कर रही थी। वैसे में उसे नुकसान होना राजनीति का सामान्य स्तर पर लौटना माना जाएगा।

बहरहाल, चुनावी राजनीति का एक हद तक सामान्य रूप रूप में लौटने का संकेत ही इस आम चुनाव की विशेषता है। इसका अर्थ यह है कि नरेंद्र मोदी परिघटना पर विराम लग गया है। यह धारणा टूट गई है कि आम जन की जिंदगी से जुड़े विभिन्न मोर्चों पर भाजपा सरकार का प्रदर्शन चाहे जैसा रहे, नरेंद्र मोदी का करिश्मा चुनावों में उसकी सफलता की गारंटी बना रहेगा। इस आम चुनाव में वास्तव में यही कथित करिश्मा जख्मी हुआ है।

ऐसा होने के परिणाम दूरगामी हो सकते हैं। आखिर इसी करिश्मा में यकीन के कारण देश के कॉरपोरेट सेक्टर और अन्य शासक वर्गों ने पिछले एक दशक से अपना पूरा दांव मोदी पर लगा रखा है। यह दांव लगाने की शुरुआत तब से हुई थी, जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। असल में ÷गुजरात मॉडल÷ यही था कि कॉरपोरेट मोदी के पीछे अपनी पूरी ताकत लगाएं और उस बदौलत सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार उनके माफिक नीतियों पर अमल करे। इस मॉडल का एक बड़ा आयोजन वाइब्रेंट गुजरात होता था, जहां पहुंच कर 2007-08 से ही देश के बड़े पूंजीपतियों ने मोदी को भारत का भावी प्रधानमंत्री घोषित करना शुरू किया था। मोदी का वह फॉर्मूला राष्ट्रीय स्तर पर भी कारगर रहा। उसी के परिणामस्वरूप पिछले दस साल आम जन की दुर्दशा बढ़ी है। मगर इस चुनाव में वह फॉर्मूला अगर पूरी तरह से पिटा नहीं है, तो कम-से-कम यह तो कहा ही जाएगा कि उसमें बड़े छेद हो गए हैं।

तो यह लाजिमी है कि मोदी पर अब तक दांव लगाने वाले धनी-मानी तबके अब इस सवाल पर सोचने पर मजबूर होंगे कि क्या एकमात्र उसी चेहरे पर दांव लगाए रखना बुद्धिमानी होगी, जिसके चुनावी मुकाबले में पिटने की शुरुआत हो गई है?

हिंदुत्व, उग्र राष्ट्रवाद, और उन्माद की हद तक भावनात्मक माहौल बना कर चुनावी सफलता हासिल करते रहने का खुद नरेंद्र मोदी में आत्म-विश्वास इतना गहरा था कि 2024 आते-आते उन्होंने विकास या जन-कल्याण की बात करनी ही छोड़ दी। या इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि ऐसा करने की उनकी क्षमता चूक गई। क्षमता संभवतः इसलिए चूक गई, क्योंकि उनके शासनकाल का जो रिकॉर्ड है, उसे देखते हुए लोगों के लिए उनके ऐसे उनके वायदों पर भरोसा करना संभव नहीं रह गया।

2024 के चुनाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी और उनके रणनीतिकारों ने 'विकसित भारत' की कहानी तैयार की थी। लेकिन मतदान का पहला चरण आते-आते यह साफ हो गया कि वैसे ऊंचे सपनों में अब आम जन की रुचि नहीं है। जब उनकी अपनी जिंदगी अवनति की तरफ हो, तब यह लाजिमी है कि उन्नत या विकसित भारत के कथानक में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। तो मोदी और उनकी पार्टी ने पहले चरण के मतदान के बाद इस कहानी चर्चा ही छोड़ दी। उसके बाद वे हिंदू-मुस्लिम के अपने आजमाए फॉर्मूले पर लौट गए। मगर चुनाव नतीजों से जाहिर है कि यह फॉर्मूला भी अब पहले जैसा कारगर नहीं रह गया है।

2024 का चुनाव नरेंद्र मोदी ने जन-कल्याण की सोच के खिलाफ जंग छेड़ते हुए लड़ा। इसे उनका दुस्साहस ही कहा जाएगा कि 2023-24 के बजट में (जो आम चुनाव के पहले का आखिरी पूर्ण बजट था) उनकी सरकार ने जन-कल्याण के तमाम कार्यक्रमों के लिए आवंटन में कटौती कर दी। यह सिलसिला 2024-25 के अंतरिम बजट में भी जारी रहा। इस बीच मोदी ÷रेवड़ी संस्कृति÷ के खिलाफ जुबानी मुहिम भी छेड़ चुके थे। 2024 के चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने बढ़ती गैर-बराबरी को सही ठहराने की कोशिश की, कुछ हाथों में धन संग्रहण की चिंताजनक परिघटना को उन्होंने वेल्थ क्रियेटर्स की कामयाबी के रूप में पेश किया, और गरीब आवाम को दी जाने वाली राहत को देश के विकास में बाधक बताया। इस तरह उन्होंने ऐसी समझ लोगों के सामने रखी, मानों देश और आम जन कोई अलग-अलग चीज हो !

आज अगर पिछले दो आम चुनावों की तुलना में और भी ज्यादा खंडित जनादेश हमारे सामने आया है, तो यह बेशक कहा जा सकता है कि जिन आम जन के प्रति प्रधानमंत्री ने अपमान का ऐसा भाव दिखाया, उसके एक बड़े हिस्से ने फिलहाल उनकी पार्टी से बदला लिया है। यही वो तबके हैं, जिनके मन में 'अच्छे दिन' के वादे ने ऊंची उम्मीदें जगाई थीं। मोदी ने बतौर प्रधानमंत्री के अपने पहले कार्यकाल में 'लाभार्थी' संस्कृति का हौव्वा खड़ा कर उन उम्मीदों को जिंदा रखा। लेकिन 2024 आते-आते उन्होंने आम जन को लाभ पहुंचाने की सोच पर ही हमला बोल दिया।

उसका नतीजा सामने है। हिंदुत्व के अंडरकरंट से हुए ध्रुवीकरण के साथ 'अच्छे दिन' के वादे ने भाजपा के लिए जो प्लस वोट जोड़े थे, वे अगर पूरे देश में नहीं, तो कम-से-कम कुछ राज्यों में जरूर ही, उससे अलग हो गए हैं। नतीजतन, भाजपा ने लोकसभा में बहुमत गंवा दिया है।

1989 में भारतीय राजनीति पर कांग्रेस का वर्चस्व खत्म होने के बाद से और 2014 में मोदी के उदय के पहले तक- एक समझ यह थी कि भारत में अब कोई राष्ट्रीय जनादेश नहीं होता। बल्कि प्रांतीय स्तर पर उभरने वाले जनादेश के कुल योग से राष्ट्रीय राजनीतिक सूरत उभरती है। 2024 में फिर से बात वहीं पहुंचती दिखी है। और इसके साथ ही भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी युग के अंत की शुरुआत हो गई है।

राजनीति जिसने रिश्तों में डाली दरार

हरनाम सिंह

इतिहास अपने समय का आईना होता है। देश के राजनैतिक इतिहास में विगत एक दशक का आकलन कई तरह से होगा। मोदी राज में ऐसा बहुत कुछ हुआ है जो वर्ष 2014 से पहले नहीं हुआ था। बीते इस दशक पर लिखने और कहने के लिए बहुत कुछ है, जो भय से अथवा उचित प्लेटफार्म के अभाव में सामने नहीं आ पा रहा है। भारतीय समाज धर्म, संस्कृति, भाषा, जाति के विविध रूपों में तो पहले से ही बंटा हुआ है। इन 10 वर्षों में इस विभाजन का विनाशकारी विस्तार हुआ है। एक ही धर्म , जाती परिवार के होने के बावजूद में भाइयों में रिश्तेदारों दोस्तों में गहरी दरार पड़ गई है वह भी नफरत की सीमा तक जाकर। वर्ष 2014 के पहले जिन व्हाट्सएप ग्रुप में सुख-दुख बांटा जाता था, घर परिवार समाज की सूचनाएं भेजी जाती थी अब उनमें जहर बांटा जाने लगा है। नागरिकों के अनेक ग्रुपों में अपने नेता के लिए रिश्ते- नाते, दोस्ती सब कुछ कुर्बान की जाने लगी है । ग्रुपों में कुछ भक्त हैं कुछ उनके विरोधी और शेष डर अथवा लिहाजा के चलते चुप रहने वाले होते हैं। ऐसे लोग जो किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहते हैं, अवसर मिलते ही ग्रुप छोड़ने में अपनी भलाई समझते हैं। सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है ? यह सामूहिक सम्मोहन जैसा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ऐसे अंध श्रद्धालु समर्थकों ने अपनी काल्पनिक दुनिया बना ली है। जिसमें अपने नेता के प्रति असीम श्रद्धा है, जो तर्क और विवेक बुद्धि से परे है। इस श्रद्धा को आलोचक अंधभक्ति के रूप में परिभाषित करते हैं। परन्तु इस भक्ति में विरोधियों के प्रति उनकी नफरत को कैसे समझा जाए ? इंदौर निवासी लेखक और मनोविश्लेषक संजय वर्मा के अनुसार कभी-कभी नफरत भी इंसान को जीने का मकसद देती है। उनके अनुसार मानव विकास क्रम के कबीलियाई काल के दौरान अपने परिचय में परिजनों के अलावा दुश्मन का नाम भी शामिल रहता था। संभवतः यही आदिम प्रवृत्ति कतिपय लोगों में आज भी मौजूद हो, जो अवसर आने पर उभर कर सामने आ गई है। अपनी पहचान के संकट से जूझता इंसान नफरत में अपने होने को तलाश रहा है। धार्मिक भावना हृदय की सबसे कमजोर संवेदना होती है। इसका लाभ आसानी से उठाया जाता रहा है। एक राजनीतिक समूह ने काल्पनिक, झूठे, गैर तार्किक मुद्दे उठाकर धर्मभीरू लोगों से स्वयं से जोड़ लिया है। समाज में कुछ लोग धार्मिक भावना के नाम पर वह सब कुछ करने को तैयार हो जाते हैं जो गैर कानूनी ही नहीं अमानवीय भी होता है। ऐसे ही लोगों को ÷अंधभक्त÷ कहा गया है। इन लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार जैसा कोई मुद्दा मायने नहीं रखता। ऐसे भक्त यह समझने को तैयार नहीं होते की जो दल उनकी धार्मिक भावना की रक्षा करने की बात कर रहा है वह पाखंडी है। उसकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। इस चक्रव्यूह में फंसा व्यक्ति अपनी बुद्धि का उपयोग करना बंद कर देता है। वह जिन पर भरोसा करता है उनकी कही बातें ऐसे व्यक्ति के लिए पत्थर की लकीर बन जाती है, जिसे कोई तर्क अथवा विवेक बुद्धि मिटा नहीं सकती। ऐसे ही भक्ति पांच हजार रुपए लीटर पेट्रोल हो जाने की संभावना पर भी विचलित नहीं होते। अंधभक्त में व्यक्ति का विवेक मर जाता है। उसकी सोचने-समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है। वह लिंचिंग को, हत्या को धार्मिक कृत्य समझ कर निष्ठा पूर्वक अंजाम देता है। कैसे लोगों को तार्किक बात गलत लगती है। यह एक मानसिक दुर्बलता है जिसमें व्यक्ति सही और गलत, अपना और पराया, मित्र और शत्रु में अंतर नहीं कर पाता। अंधभक्ति में तर्क- वितर्क की जरूरत ही नहीं होती। ऐसे मानसिक बीमार लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्ति की जानी चाहिए न कि उपहास की।

इंस्टाग्राम पर नाबालिग से दोस्ती फिर रेप

आरोपी ने कहा- बालिग होने पर कहीं और शादी न कर लो इसलिए बनाए संबंध

इंदौर (नप्र)। इंदौर की एमआईजी पुलिस ने 17 साल की नाबालिग की शिकायत पर उसके 31 साल के दोस्त के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। परिवार के लोगों ने दोनों की शादी को रजामंदी दे दी। लेकिन इसके बाद भी आरोपी पीड़ित नाबालिग से संबंध बनाकर मोबाइल बंद कर भाग गया। पीड़िता ने लगातार उससे संपर्क किया लेकिन उसने कोई रिप्लाई नहीं दिया। परेशान होकर वह थाने पहुंची और केस दर्ज करा दिया।

महंगाई ने लोकसभा चुनावों में दिया बीजेपी को झटका?

पिछले 12 महीने में गेहूं, दाल और सब्जी में भारी तेजी आई

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में बीजेपी बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। माना जा रहा है कि इसमें खाने-पीने की चीजों की महंगाई की भी भूमिका रही। पिछले 12 महीने में खासकर गेहूं, दाल और सब्जी की कीमत में भारी तेजी आई है। इससे आम आदमी का बजट बुरी तरह गड़बड़ा गया है। जाहिर है कि वोट देते समय कहीं

● मई 2018-अप्रैल 2019 के बीच खाद्य महंगाई 0.03 प्रतिशत रही

न कहीं मतदाताओं के मन में यह बात रही होगी। मई 2018 से अप्रैल 2019 के बीच रिटेल फूड इन्फ्लेशन औसतन 0.03 फीसदी रहा, वहीं इस बार मई 2023 से अप्रैल 2024 के बीच खुदरा खाद्य महंगाई औसतन 7.88 परसेंट रही। इस दौरान अनाज की कीमत में सालाना औसतन 10.39 फीसदी, दालों में 16.07 फीसदी और सब्जियों की कीमत में 18.33 फीसदी तेजी रही। मई 2018 से अप्रैल 2019 के बीच अनाज की कीमत में 1.98 फीसदी की मामूली तेजी ही थी जबकि दाल की कीमत में 7.24 फीसदी और सब्जी की कीमत में 4.80 फीसदी गिरावट आई थी।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में महंगाई में बेहद मामूली तेजी देखने को मिली। इस दौरान ओवरऑल कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित महंगाई औसतन 4.39 परसेंट रही जबकि कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स आधारित महंगाई औसतन 3.38 फीसदी रही। मई 2014 से अप्रैल 2019 के दौरान 60 महीनों में से केवल 21 महीने सीएफपीआई महंगाई सीपीआई

महंगाई से अधिक रही। लेकिन मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में तस्वीर पलट गई। मई 2019 से अप्रैल 2024 के दौरान सीपीआई आधारित महंगाई औसतन 5.69 परसेंट रही जबकि एवरेज रिटेल फूड इन्फ्लेशन 6.48 परसेंट रहा। इस दौरान 58 में से 30 महीनों में सीएफपीआई महंगाई सीपीआई महंगाई से अधिक रही।

कैसे-कैसे बढ़ी महंगाई

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में कम महंगाई की बड़ी वजह यह रही कि इस दौरान कच्चे तेल में ज्यादा उछाल दिखने को नहीं मिला। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एग्री कमोडिटीज की कीमतें भी लगभग स्थिर रहीं। यूएन का फूड प्राइस इंडेक्स 2013-14 में औसतन 119.1 अंक रहा जो 2015-16 में गिरकर 90 अंक रह गया था। यह 2019-20 में औसतन 96.5 अंक रहा लेकिन इसके बाद इसमें भारी तेजी रही। 2021-22 में यह 133.3 अंक और 2022-23 में 140.8 अंक के रेकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। उसके बाद से इसमें कुछ नरमी आई है लेकिन असामान्य मॉनसून से देश में कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ है।

मोदी सरकार ने हाल के वर्षों में खाने-पीने की चीजों की महंगाई रोकने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। इनमें गेहूं, गैर-बासमती चावल, चीनी और प्याज के निर्यात पर पाबंदी शामिल है। साथ ही दालों और खाद्य तेल पर इम्पोर्ट ड्यूटी में कटौती की गई है। ट्रेडर्स और रिटेलर्स के लिए गेहूं और दालों की भंडारण सीमा निर्धारित की गई है। लेकिन इन उपायों से खाने-पीने की चीजों की महंगाई को कम करने में मदद नहीं मिली है। खासकर गेहूं, दाल और सब्जियों की कीमत में लगातार तेजी बनी हुई है। शायद यही महंगाई बीजेपी को इस बार भारी पड़ी और वह लगातार तीसरी बार अपने दम पर बहुमत हासिल करने में नाकाम रही।

संक्षिप्त समाचार

गौतम अडानी ने एक ही दिन में पलट दी बाजी, फिर 100 अरब क्लब में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी रही। इससे दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से सभी की नेटवर्थ में तेजी रही। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में मंगलवार को 24.9 अरब डॉलर की गिरावट आई थी और वह 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए थे। लेकिन बुधवार को अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में तेजी रही।

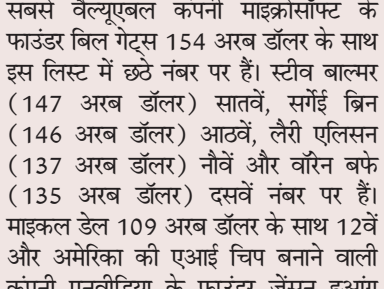

इससे अडानी की नेटवर्थ में 5.59 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 103 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। एशिया के अमीरों में वह रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। अंबानी की नेटवर्थ में बुधवार को 2.20 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 109 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट 212 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। बुधवार को उनकी नेटवर्थ में 4.46 अरब डॉलर की तेजी रही। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 204 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे और एलन मस्क 201 अरब डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग 176 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में बुधवार को 6.24 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 47.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। लैरी पेज 155 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में- दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 154 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। स्टीव बाल्मर (147 अरब डॉलर) सातवें, सर्गेई ब्रिन (146 अरब डॉलर) आठवें, लैरी एलिसन (137 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (135 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। माइकल डेल 109 अरब डॉलर के साथ 12वें और अमेरिका की एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग 107 अरब डॉलर के साथ 13वें नंबर पर हैं। हुआंग की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा 63.4 अरब डॉलर की तेजी आई है।

भेल के शेयरों में तूफान, अडानी पावर से मिला है 3500 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। महार प्रतिशत कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। भेल के शेयर गुरुवार को 13 पर्सेंट की जबरदस्त तेजी के साथ 289 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में

255.25 रुपये पर बंद हुए थे। भेल के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने की वजह से आया है। भेल को यह ऑर्डर अडानी पावर से मिला है। यह ऑर्डर 3500 करोड़ रुपये का है। भेल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 322.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 83.10 रुपये है।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि कंपनी को छत्तीसगढ़ के रायपुर में 2x800 मेगावॉट थर्मल पावर प्लांट लगाने के लिए अडानी पावर लिमिटेड से ऑर्डर मिला है।

UK University Open Admissions To MSc Artificial Intelligence And Applications

The University of Strathclyde in Glasgow is currently accepting applications for its Master of Science (MSc) in Artificial Intelligence and Applications, starting in September 2024. This programme is designed for individuals without a computing science background. To qualify for this master's programme, applicants need at least a second-class honours degree or its equivalent and an IELTS score of 6.0. The tuition fee for international students for the 2024-25 academic year is 26,100 euros (Rs 23.68 lak). Scholarships ranging between 5,000 (Rs 4.53 lakh) and 7,000 euros (Rs 6.35) will be awarded to students based on academic merit and relevant experience, with a deadline for applications on July 31. In line with the national AI strategy from the office for artificial intelligence, the course includes essential AI techniques and their application in business. The curriculum aims to address the skill gap in machine learning, ensuring graduates are highly employable across various industries, including education, engineering, health, finance, government, manufacturing, retail, and transport. The programme equips graduates with transferable skills for professional careers in AI, focusing on the design, development, optimization, and application of AI algorithms and technologies to achieve business goals. It also covers training in statistical methods for sampling, distribution, assessment, bias, and error. Students will have chances to connect with top employers like J Pierpont Morgan, Morgan Stanley, Google, Microsoft, Goldman Sachs, and Logica. The programme is conducted through a mix of lectures, hands-on computer lab sessions, and tutorials.

CBSE finds variation between theory, practical marks, asks schools to review internal assessment process

The Central Board of Secondary Education has detected variations in theory and practical marks in certain subjects in the past years' results. AI tools detected the variations among 50% or more students in about 500 CBSE-affiliated schools. The Board has issued an advisory to such schools to review their internal assessment process.

In an official notice issued by the Board, it has mentioned that this variance highlights a need for meticulous assessment during practical examinations in schools. With this review, CBSE aims to implement a more robust, transparent, and reliable mechanism to ensure that the assessment process is realistic and adds substantial value to the students' academic journey. The official notice reads, "The Central Board of Secondary Education (CBSE) has detected, through advanced AI tools, a significant variation between theory and practical marks in certain subjects among 50% or more students in about 500 CBSE-affiliated schools, based on past years' result statistics. This variance highlights a need for meticulous assessment during practical examinations in schools. Consequently, the Board has issued an advisory to such schools to review their internal assessment procedures. The aim is to implement a more robust, transparent, and reliable mechanism to ensure that the assessment process is realistic and adds substantial value to the students' academic journey."

CBSE wants schools to prioritize fairness and accuracy in assessing practical examinations to enhance the quality of education in CBSE-affiliated institutions.

ISRO URSC Result For Scientist And Other Posts Out

The Indian Space Research Organisation (ISRO) has released results for the recruitment examination for Scientist, Engineer, Technician B, and various other posts. The examination was held on April 18 in Computer Based Test (CBT) mode. The recruitment drive aims to fill a total of 224 vacant posts. Those who have appeared in the examination can check their results by visiting the official website. In case of a tie in Written Test scores, the academic scores of the notified qualification(s) shall be the tie-breaker. Applicants who have qualified in the written Test will be shortlisted for the skill test in a 1:10 ratio. The written Test consisted of 60 multiple-choice questions, lasting for 1 hour and 30 minutes, and worth 100 marks.

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने जारी किये नए नोट

क्वीन की जगह पर किंग चार्ल्स थर्ड की दिखेगी फोटो

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नए नोट जारी हो गए हैं। अब ब्रिटेन के नोटों पर क्वीन एलिजाबेथ की फोटो की जगह मौजूदा राजा किंग चार्ल्स थर्ड की तस्वीर होगी। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने इसकी जानकारी दी। नए नोट जारी करने के साथ बैंक ने साफ किया यह नोटबंदी नहीं है। इसका मतलब है कि क्वीन एलिजाबेथ भी तस्वीर वाली फोटो भी वैलिड रहेगी।

कितना अलग है नया नोट- ब्रिटेन के नए नोट में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। इस नोट में केवल तस्वीर को ही बदला गया है। दिसंबर 2022 में पहली बार किंग चार्ल्स थर्ड की तस्वीर वाला नोट जारी हुआ था। यह नोट क्वीन एलिजाबेथ सेकंड के निधन के बाद जारी हुआ था। आपको बता दें कि सितंबर 2022 में क्वीन एलिजाबेथ सेकंड का निधन हुआ था। यह पहली बार है जब ब्रिटेन के नोटों पर सम्राट का नाम बदला गया है। अब ब्रिटेन के ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग 5, 10, 20 और 50 नोटों पर किंग चार्ल्स थर्ड की तस्वीर दिखाई देगी। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने नए नोटों को लेकर प्रेस रिलीज जारी की थी। बैंक ने कहा कि उम्मीद है कि धीरे-धीरे नए नोट सर्कुलेशन में आएंगे। बैंक ने बताया कि पुराने घिसे-पिटे नोट के बदले नए नोट छापे गए हैं। बैंक के प्रेस रिलीज के अनुसार नए नोट 5 जून 2024 से लागू हो गए हैं।

चांदी की कीमतों में रेकॉर्ड उछाल, 1100 रुपये से ज्यादा हुई महंगी, सोने के भी बढ़ गए भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने के दाम बढ़कर अब 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर निकल गए हैं। वहीं चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। आज एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने-चांदी में अच्छी तेजी देखी जा रही है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी गुरुवार को 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना 300 रुपये से ज्यादा बढ़त के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। सोने में सुबह से ही तेजी देखी जा रही है। सोना आज सुबह बढ़त के साथ खुला है। वहीं 5 अक्टूबर 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछलकर 73,166 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

क्या है चांदी की कीमत - एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी गुरुवार को 5 जुलाई 2024 की डिलीवरी

वाली चांदी 1140 रुपये बढ़कर 91,584 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। वहीं 5 सितंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी 1089 रुपये बढ़कर 93,415 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। 5 दिसंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी आज 1344 रुपये बढ़कर 95,745 रुपये पर पहुंच गई है।

सोने के वैश्विक भाव - सोने की वैश्विक कीमतों में भी आज तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.50 फीसदी या 11.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,387.40 डॉलर प्रति औंस पर हैं। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव बढ़कर 2,368.49 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुके हैं।

चांदी की वैश्विक कीमत- चांदी के वैश्विक भाव में आज तेजी आई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 1.54 फीसदी या 0.46 डॉलर की तेजी के साथ 30.54 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 30.42 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है।

बीते दिनों गिरे थे भाव- सोने और चांदी की कीमतों में कल भी तेजी देखने को मिली थी। कल सोना-चांदी बढ़त के साथ बंद हुए थे। आज भी सुबह से गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में इजाफा देखने को मिल रहा है। वहीं आने वाले समय में कीमतों में और इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है।

NIFT commenced the application process for NIFT Counseling 2024

The National Institute of Fashion Technology (NIFT) has commenced the application process for NIFT Counseling 2024, facilitating admission to undergraduate and postgraduate programs. Those who have cleared the exam can register themselves on the official website for NIFT Admissions 2024. The deadline for submitting the application form and uploading documents is June 11. "All candidates who have successfully cleared the selection process and secured a valid Common Merit Rank (CMR) as per the final result declared for NIFT Admissions- 2024, should register and fill their preferences for academic programs by 12pm (midnight) on June 11, 2024," the institute stated in an official notice.

Selected students are advised to verify their eligibility according to the guidelines outlined in the prospectus and the seat allocation rules provided on the website. "Candidates should ensure that all the required documents to be uploaded on the portal for the program are as per the eligibility criteria as mentioned in the prospectus / admissions guidelines- 2024," it added. The institution has also communicated that separate counseling sessions are being conducted for students who applied under the artisan category or as wards of artisans. These candidates are advised against participating in the online counseling process.

Key Dates

A total of five rounds of counseling will be conducted. The schedule for registration and choice-filling for round 1 of counseling is as follows:

Registration and uploading of documents: June 5 to June 11 until 12 midnight

Document verification: June 5 to June 12 until 6 pm Choice-filling and locking: June 5 to June 13

Seat allotment: June 15

Submission of willingness and payment of admission fee: June 15 to June 18

Required Documents: Candidates need the following documents for completing the registration process:

-Certificate of Class 10
-Photograph
-Marksheet/certificate/degree/diploma
-Caste certificate (if applicable)
-PwD certificate (if applicable)
-Undertaking for fee refund
-Anti-ragging certificate
-Medical fitness certificate

इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज की जांच रिपोर्ट देशभर में होगी मान्य

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज की टीबी लैब में की जाने वाली जांच रिपोर्ट अब देशभर में मान्य होगी। मनोरमा राजे क्षय चिकित्सालय (एमआरटीबी अस्पताल) की इंटरमीडिएट रेफरेंस लेबोरेटरी (आइआरएल लैब) को एनएबीएल नेशनल एक्रिडिएशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज की मान्यता मिल गई है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज की पहली लैब है, जिसे एनएबीएल मान्यता मिली है। इस मान्यता के साथ ग्वालियर के बाद यह प्रदेश की दूसरी लैब बन गई है। इसके लिए पहली बार ही आवेदन दिया गया था।अधिकारियों ने बताया कि मार्च माह में निरीक्षण के लिए टीम इंदौर आई थी। उन्होंने सभी पैरामीटर की जांच की, जिन पर हम खरा उतरें। हम सभी मानकों पर खरा उतरने के लिए लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। इसके लिए लैब आधुनिक मशीनें भी लगाई गई हैं। इसके लिए हमें भारत सरकार का सहयोग भी मिला। इसे आइएओ 15189-2012 के अनुसार मान्यता प्रदान की गई है।इसमें माइक्रोबायोलाजी और संक्रामक रोग सीरोलाजी और मालेक्यूलर परीक्षण के विषयों को शामिल किया गया है। यह मान्यता प्रयोगशाला के अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन को रेखांकित करती है, जिससे चिकित्सा परीक्षण की उच्चतम गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।कई जिलों के मरीजों की हो रही टीबी की जांच बता दें कि इंटरमीडिएट रिफरेंस लेबोरेटरी (आइआरएल) लैब में बड़वानी, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, देवास, आगर-मालवा, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन आदि जिलों की जांच के नमूने आते हैं। लैब में हर साल 25-30 हजार क्षय रोगियों के नमूनों की जांच होती है। यानी करीब जांच के 100 सैंपल रोजाना आते हैं। अब इन मरीजों की रिपोर्ट देशभर में मान्य होगी।

जान भी ले सकती है विटामिन डी अधिक मात्रा

विटामिन डी शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है लेकिन इसकी अधिक मात्रा लेने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। एम्स की रुमेटोलोजी प्रमुख के अनुसार, विटामिन डी की अधिक मात्रा जान ले सकती है। संतुलित मात्रा जरूरी है।

विटामिन डी सप्लीमेंट की मदद से हड्डी मजबूत करने के चक्कर में एक व्यक्ति अपनी जिंदगी दांव पर लगा बैठा। डॉक्टर ने उसे सप्ताह में एक बार विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने को कहा, लेकिन वह इसे हर रोज इस्तेमाल करने लगा। लगातार उल्टी की शिकायत लेकर वह अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टर हैरान रह गए। अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक आगरा के रहने वाले इस व्यक्ति के रक्त की जांच कराई गई। पता चला कि क्रिएटनिन और कैल्शियम का स्तर ज्यादा बढ़ गया है। विस्तृत जांच करने पर पता चला कि उसके शरीर में विटामिन डी की मात्रा बहुत अधिक हो गई। इसके बाद उसका जरूरी उपचार किया गया। चिकित्सकों के मुताबिक, विटामिन डी का सप्लीमेंट अधिक लेने से मरीज की किडनी पर गंभीर असर पड़ा है। उसने चिकित्सकों को बताया कि कुछ दिन पहले उसके टखने की हड्डी टूट गई थी। तब एक डॉक्टर ने सप्ताह में एक बार विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने की सलाह दी, लेकिन वह रोज लेने लगा। इससे वह बीमार हो गया।

फेफड़ों को नुकसान

अधिक विटामिन डी का सेवन खून में कैल्शियम, फॉस्फेट के स्तर को बढ़ा देता है। इनसे बने क्रिस्टल फेफड़ों में जमा होने की आशंका रहती है। इससे फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

विटामिन डी क्यों जरूरी

विटामिन डी के अभाव में शरीर में कैल्शियम का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। इससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। विटामिन डी की कमी शुगर का स्तर भी बढ़ाती है। सूरज की किरणों और खाने की कुछ चीजों को छोड़कर तमाम खाने में विटामिन डी नहीं मिल पाता। इसलिए चिकित्सक परीक्षण के बाद इसकी गोलियां और पाउडर लेने की सलाह देते हैं।

विटामिन डी की कितनी मात्रा है जरूरी

हर व्यक्ति के रक्त में 30 से 70 नैनो ग्राम प्रति मिलीलीटर विटामिन डी की मात्रा जरूरी होती है। शरीर में विटामिन डी की मात्रा 20 से 30 नैनो ग्राम प्रति मिलीलीटर के बीच है तो कमी मानी जाती है। अगर यह 20 से नीचे और 70 से ऊपर है तो तुरंत चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर कामकाज के लिए सभी पोषक तत्वों की जरूरत है जिंक

शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर कामकाज के लिए सभी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अक्सर देखा गया है कि लोग अक्सर सिर्फ प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्वों की बात करते हैं। आपको बता दें कि शरीर के सभी अंगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जिंकभी बहुत जरूरी होता है। जिंक की कमी तब होती है, जब शरीर में मिनरल जिंक की पर्याप्त मात्रा नहीं होती है। जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने, घाव भरने और गर्भावस्था, बचपन और जवानी में शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व है। जिंक की कमी से त्वचा में भारी बदलाव हो सकते हैं, जो पहले एक्जिमा की तरह दिखते हैं। समस्या यह है कि यह दाने आसानी से ठीक नहीं होते हैं। इसके अलावा आपको बाल झड़ना, नाखूनों में परिवर्तन, दस्त, संक्रमण, चिड़चिड़ापन महसूस करना, भूख में कमी, नपुंसकता, आंखों की समस्या, वजन घटना, घाव जो जल्दी ठीक नहीं होते हैं या स्वाद और गंध की कमी महसूस होना। हेल्थ डायरेक्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिंक की कमी का अगर समय पर इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके गंभीर लक्षणों में संक्रमण, हाइपोगोनाडिज्म, वजन घटना, तनाव-चिंता, जिल्द की सूजन, स्वाद बिगड़ना, रतौंधी, भूख में कमी, घाव भरने में देरी और खून में अमोनिया का लेवल बढ़ना शामिल है। चलिए जानते हैं कि इस जरूरी पोषक तत्व की कमी पूरी करने के लिए आपको किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

अंडे खाएं

अंडे में मध्यम मात्रा में जिंक होता है और यह आपके दैनिक लक्ष्य को पूरा करने में आपकी मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, 1 बड़े अंडे में दिन की जरूरत का लगभग 5% जिंक होता है। यह 77 कैलोरी, 6 ग्राम प्रोटीन, 5 ग्राम स्वस्थ वसा और बी विटामिन और सेलेनियम सहित कई अन्य विटामिन और खनिजों के साथ आता है।

जिंक की कमी दूर करने के लिए खाएं फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसे फलियों में जिंक की पर्याप्त मात्रा होती है। 100 ग्राम पकी हुई दाल में रोजाना की जरूरत का लगभग 12% जिंक होता है। यह चीजें प्रोटीन और फाइबर का भी बेहतर स्रोत हैं।

मांस जिंक का बढ़िया स्रोत

लाल मांस जिंक का बढ़िया स्रोत है। 100 ग्राम (3.5-औंस) मीट में 4.8 मिलीग्राम जिंक होता है, जो रोजाना की जरूरत का 44% है। इतने मांस में 176 कैलोरी, 20 ग्राम प्रोटीन और 10 ग्राम वसा पाया जाता है।

कुछ सब्जियां भी हैं फायदेमंद

सामान्य तौर पर, फल और सब्जियां जिंक के खराब स्रोत होते हैं। हालांकि, कुछ सब्जियों में उचित मात्रा होती है और यह आपकी दैनिक जरूरतों में योगदान कर सकती हैं, खासकर यदि आप मांस नहीं खाते हैं। एक मिलीग्राम प्रति बड़े आलू से आपको रोजाना की जरूरत का 9% जिंक मिल सकता है। हरी बीन्स से लगभग 3% मिल सकता है। इनके अलावा आपको जिंक की कमी पूरी करने के लिए शैलफिश, कुछ तरह के सीड्स, नट्स, साबुत अनाज और डार्क चॉकलेट का भी सेवन करना चाहिए।

जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने, घाव भरने और गर्भावस्था, बचपन और जवानी में शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व है। जिंक की कमी का अगर समय पर इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा माना जाता है कि पुरुषों को रोजाना 11 मिलीग्राम जिंक चाहिए जबकि महिलाओं को 8 मिलीग्राम की आवश्यकता होती है।

जिंक का तगड़ा स्रोत हैं डेयरी उत्पाद

पनीर और दूध जैसे डेयरी खाद्य पदार्थ जिंक सहित कई पोषक तत्व प्रदान करते हैं। दूध और पनीर में इसकी उच्च मात्रा होती है। उदाहरण के लिए, 100 ग्राम पनीर में रोजाना की जरूरत का 28% जिंक होता है जबकि एक कप दूध में लगभग 9% होता है।

शरीर को रोजाना कितना जिंक चाहिए

पुरुषों को रोजाना 11 मिलीग्राम जिंक चाहिए जबकि महिलाओं को 8 मिलीग्राम की आवश्यकता होती है। यदि आप गर्भवती हैं, तो आपको प्रति दिन 11 मिलीग्राम की आवश्यकता होगी, और यदि आप स्तनपान करा रही हैं, तो आपको 12 मिलीग्राम की आवश्यकता होगी।

बार-बार बढ़ जाता है बच्चे का टॉन्सिल तो ना करें लापरवाही

बच्चों में टॉन्सिल का इंफेक्शन होना काफी कॉमन है। जिसे लेकर कई बार पैरेंट्स लापरवाही बरतते हैं और ये समस्या बच्चे को लंबे समय तक परेशान करती रहती है। दरअसल, टॉन्सिल एक तरह का फिल्टर है जो गले के आखिरी हिस्से में होता है। ये किसी भी तरह के वायरस और बैक्टीरिया को सीधे गले से शरीर में पहुंचने से रोकता है। अगर ये वायरस गले से अंदर चले जाते हैं जिसकी वजह से टॉन्सिलाइटिस की समस्या हो जाती है। जिसमे टॉन्सिल सूज जाते हैं और गले में तेज दर्द होता है। ये दर्द बोलने, खाना खाने, थूक निगलने में बहुत तकलीफ देता है। जरूरी है कि बच्चे के गले में हो रही इस तरह की परेशानी पर उसे फौरन डॉक्टर के पास ले जाकर इलाज करवाएं और समय पर दवा देने के साथ ही इन बातों का ध्यान रखें।

गले में टॉन्सिल बढ़ने के लक्षण

- गले में तेज दर्द और टॉन्सिल का लाल नजर आना
- बुखार, सिर में दर्द, कान में दर्द
- भूख ना लगना
- थूक निगलने में गले में दर्द होना
- टॉन्सिल पर सफेद या पीला परत दिखना
- गले में छाले और खाना निगलने में दिक्कत
- गर्दन के साथ ही जबड़े में सूजन
- बोलने में परेशानी
- गर्दन में अकड़न

टॉन्सिल बढ़ने पर ना करें ये काम

बच्चे के गले में बार-बार टॉन्सिल उभर आता है तो सबसे पहले उसकी दवाईयों का कोर्स पूरा करें। केवल आराम मिलने से दवा बंद ना करें। जब तक कि डॉक्टर ना बोलें।

- ठंडा पानी बिल्कुल ना पिलाएं।
- ठंडा जूस, कोल्डड्रिंक, आइसक्रीम, ठंडे ड्रिंक से परहेज करें।
- ज्यादा देर तक नहाने ना दें, खासतौर पर रात के वक्त उसे नहलाने से परहेज करें।
- बच्चा अगर खाना खाता है तो उसे दूध और दही बिल्कुल ना दें।
- सिर पर तेल ना लगाएं।
- सीधे एसी, कूलर या पंखे के सामने ना लेटाएं। जिससे कि ठंडी हवा लगे।
- दिन में ना सुलाएं।

टॉन्सिल बढ़ने पर करें ये काम

बच्चे का टॉन्सिल बार-बार बढ़ जाता है तो एक्सपर्ट के सुझाए इन कामों को करें।

- गले में सूजन होने पर गार्गल करवाएं। गुनगुने एक गिलास में एक चुटकी नमक और एक चम्मच हल्दी डालें और गार्गल करवाएं।
- गले, चेहरे और सीने पर कपूर के तेल की मसाज करें।
- सीने में जकड़न महसूस हो तो स्टीम दें।
- गर्म चीज जैसे सूप पीने को दें। इसमे काली मिर्च डालें।
- बहुत ठंडे पानी से ना नहलाएं और सिर के पानी को जल्दी से पोछ दें।

अधिकतर लोगों को सुबह उठने के बाद थकान महसूस होने लगती है। ऐसा कई बार न्यूट्रिशन की कमी के कारण हो सकता है। जब हम गलत लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं, तब ऐसा ज्यादा होता है।

सुबह की इस थकान को दूर करने के लिए इन चीजों को खाने की आदत बनाएं

अगर सुबह अच्छी हो तो सारा दिन अच्छा जाता है। हालांकि, अधिकतर लोगों को सुबह उठने के बाद थकान महसूस होने लगती है। ऐसा कई बार न्यूट्रिशन की कमी के कारण हो सकता है। जब हम गलत लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं, तब ऐसा ज्यादा होता है। ऐसे में सुबह की इस थकान को दूर करने के लिए आप कुछ चीजों को सुबह खाने की आदत बना सकते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज में मेग्नीशियम, कॉपर, जिंक होता है। इस बीज में हाइपोग्लाइसेमिक प्रॉपर्टीज होती हैं, जिसकी वजह से आपका शुगर लेवल कम हो सकता है। हालांकि, इनमें ट्रिप्टोफन होता है, जो एक एमिनो एसिड ये आपके शरीर में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन बनाता है। ऐसे में आप अपने सुबह इन बीजों को भी खा सकते हैं।

अखरोट

सुबह उठकर अखरोट खाने से आपकी एनर्जी को बूस्ट करने में मदद मिल सकती है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3, जिंक, सेलेनियम, प्रोटीन और विटामिन बी की भरपूर मात्रा भी आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करती है।

खजूर

खजूर खाने के कई सारे फायदे होते हैं। इन्हें खाने से आपको हेल्दी शुगर मिलती है। वहीं इसमें डायट्री फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। इन्हें खाने से पाचन में मदद मिलती है। ऐसे में आप सुबह खजूर खाकर भी अपनी एनर्जी को बूस्ट कर सकते हैं।

बादाम

वेट लॉस के साथ बादाम हड्डियों और आपके मूड के लिए भी अच्छा होता है। यही वजह है कि इसे सुपरफूड कहा जाता है। यह ब्लड फ्लो में एंटीऑक्सिडेंट के स्तर को काफी बढ़ाता है, ब्लड प्रेशर को कम करता है और ब्लड फ्लो में सुधार करता है। आप भीगे हुए बादाम को सुबह खा सकते हैं।

इस बात का रखें ख्याल

जब आप सुबह उठते हैं तो उसके तुरंत बाद ही आपको एक गिलास पानी पीना चाहिए, ऐसा करने से आप पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहते हैं। कई बार सुबह की थकान डिहाईड्रेशन के कारण भी होती है।

संक्षिप्त समाचार

युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया

गुयाना, एजेंसी। अनुभवी स्पिनर फ्रैंक नसबूगा की दमदार गेंदबाजी के दम पर युगांडा ने गुरुवार को टी 20 वर्ल्ड कप में पापुआ न्यू गिनी पर तीन विकेट से जीत दर्ज की। अपना पहला टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही युगांडा ने टूर्नामेंट का पहला मैच जीतकर अपने इस सफर की शानदार शुरुआत की। गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में युगांडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। जवाब में पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 77 पर सिमट गई। वहीं, युगांडा की ओर से अल्पेश रामजानी, जुमा मियागी, कॉसमास क्यवुता और फ्रैंक नसूबूगा को 2-2 विकेट मिले। हालांकि, एक छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी युगांडा ने भी महज 26 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिए थे।

इस चेज में युगांडा के लिए सबसे अहम भूमिका रियाज़त अली शाह ने निभाई, जिन्होंने 56 गेंदों पर 33 रनों की जुझारू पारी खेली। पापुआ न्यू गिनी ने खराब बल्लेबाजी तो की ही, लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने वाइड के 15 रन दिए, जिससे युगांडा के लिए चेज और आसान हो गया। युगांडा ने 18.2 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंक नसूबूगा ने टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे किफायती स्पेल डालते हुए चार ओवर में चार रन देकर दो विकेट लिए, जिसमें दो मेडन ओवर भी शामिल थे।

पाकिस्तान की शिकायत के बाद

आईसीसी ने उठाया कदम, न्यूयॉर्क में बदला टीम का होटल

इस्लामाबाद, एजेंसी। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत के बाद पाकिस्तान टीम का न्यूयॉर्क में होटल बदल दिया है। पीसीबी ने शिकायत की थी कि टी20 विश्व कप के दौरान होटल से स्टेडियम जाने में 90 मिनट का समय लगता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी के दखल के बाद पाकिस्तान टीम को दूसरे होटल में भेज दिया गया जो मैदान से सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है। पाकिस्तान को रविवार को न्यूयॉर्क में भारत से खेलना है और 11 जून को कनाडा से सामना होगा। भारतीय टीम को तीन ग्रुप मैच न्यूयॉर्क में खेलने हैं और उसका टीम होटल मैदान से दस मिनट की दूरी पर है। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीत लिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में 77 रन पर आउट हुई श्रीलंकाई टीम होटल से स्टेडियम की दूरी को लेकर पहले ही चिंता जता चुकी है।

टी-20 वर्ल्डकपः 2024

रोहित शर्मा की रिकॉर्डतोड़ पारी...

भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में किया दमदार आगाज, आयरलैंड को रौंदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया. 5 जून (बुधवार) को न्यूयॉर्क के नसाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने आयरलैंड को 8 विकेट से हरा दिया. मुकाबले में आयरलैंड ने भारत को जीत के लिए महज 97 रनों का टारगेट दिया था, जिसे उसने 12.2 ओवरों में हासिल कर लिया. भारतीय टीम अब अगले मुकाबले में 9 जून को पाकिस्तान का सामना करेगी.

रोहित ने बाबर आजम को पछाड़ा

भारतीय टीम के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने 37 गेंदों पर 52 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और तीन छक्के शामिल रहे. रोहित रिटायर्ड हर्ट हुए. रोहित ने इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल में चार हजार रन भी पूरे कर लिए. साथ ही वह पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम को पछाड़कर टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए. बता दें कि विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन (4038) बनाने वाले बल्लेबाज हैं. जबकि रोहित ने 4026 और बाबर ने 4023 रन बनाए हैं. रोहित शर्मा ने इस पारी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में भी 600 छक्के पूरे कर लिए. भारत के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 26 गेंदों पर 36 रन बनाकर नाबाद रहे. पंत ने अपनी पारी में 3 चौके और दो छक्के लगाए.

टी20 में भारत की सबसे ज्यादा लगातार जीत

8 बनाम बांग्लादेश (2009-18)
8 बनाम आयरलैंड (2009-24)*
7 बनाम ऑस्ट्रेलिया (2013-17)
7 बनाम श्रीलंका (2016-17)
7 बनाम वेस्टइंडीज (2018-19)
टी20 में सबसे अधिक गेंद बाकी रहते भारत की जीत
81 बनाम स्कॉटलैंड दुबई 2021
64 बनाम बांग्लादेश हांगझोऊ 2023
59 बनाम यूएई मीरपुर 2016
46 बनाम आयरलैंड न्यूयॉर्क 2024*
41 बनाम जिम्बाब्वे हरारे 2016

इंटरनेशनल क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में 4000+ रन
विराट कोहलीः टेस्ट में 8848, वनडे में 13848 और टी20 में 4038
रोहित शर्माः टेस्ट में 4137, वनडे में 10709 और टी20 में 4026*

इससे पहले मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरिश टीम 16 ओवर में महज 96 रनों पर ढेर हो गई. आयरिश टीम के बल्लेबाज भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आए और शुरुआत से ही उसके विकेट गिरते चले गए.

गैरेथ डेलानी, जोशुआ लिटिल, कर्टिस कैम्फर और लोर्कन टकर ही दोहरे अकों तक पहुंच सके.

डेलानी ने सबसे ज्यादा 14 गेंदों पर 26 रन बनाए, जिसमें दो चौके और 2 छक्के शामिल रहे. वहीं लिटल ने 14, कैम्पर ने 12 और टकर ने 10 रनों का योगदान दिया. भारत के लिए हार्दिक पंड्या ने जहां सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए. वहीं अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह को दो-दो विकेट हासिल हुआ. मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल ने भी एक-एक विकेट चटकाए.

ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 39 रन से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी। मार्कस स्टोइनिस के अर्धशतक और तीन विकेट के आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को केंसिंग्टन ओवल में टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में ओमान को 39 रनों से हराया। गुरुवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में टॉस जीतकर ओमान ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए, जवाब में ओमान 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 125 रन बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले के तीसरे ओवर में ट्रेविस हेड (12) अपना विकेट गंवा बैठे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श और डेविड वॉर्नर ने दूसरे विकेट के लिए 37 रनों की साझेदारी की। इसके बाद मेहरान खान ने मिचेल मार्श को पवेलियन का रास्ता दिखाकर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया। अगली ही गेंद पर मेहरान ने ग्लेन मैक्सवेल को गोल्डन डक पर आउट कर दिया। ओमान के कप्तान आकिब इलियास ने कवर पर मैक्सवेल का शानदार कैच लपका। ऑस्ट्रेलिया 8.3 ओवर में 50/3 पर लड़खड़ा रहा था। हालांकि, वॉर्नर दूसरे छोर पर डटे रहे और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए स्टोइनिस ने वॉर्नर का साथ दिया और दोनों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ओमान के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं, जबकि वॉर्नर ने दूसरा छोर मजबूती से थामे रखा। 13वें ओवर में वार्नर ने लगातार दो चौके जड़कर अपनी लय बढ़ाई। फिर, स्टोइनिस ने 15वें ओवर में मेहरान की गेंद पर चार छक्के जड़कर पारी का रुख बदल दिया। उन्होंने महज 27 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसके बाद वॉर्नर ने अर्धशतक जड़ा।

19वें ओवर में वॉर्नर अर्धशतक जड़ने के तुरंत बाद 51 गेंदों पर 56 रन बनाकर आउट हो गए। स्टोइनिस 36 गेंदों पर 67 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 164/5 का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान 20 ओवर में 9 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। ओमान के लिए अयान खान ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 30 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टोइनिस ने दोहरा प्रदर्शन किया। बल्ले से धूम मचाने के बाद उन्होंने गेंद से सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस और एडम जम्पा ने भी 2-2 विकेट लिए।

यूएस में टूर्नामेंट से आईसीसी को नुकसान!

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत में जब 2023 वनडे विश्व कप खेला गया था तो कुछ गिने चुने मैचों को छोड़ दिया जाए तो लगभग हर मैच में स्टेडियम फुल रहा था। भारत में वनडे विश्व कप ने फैंस के स्टेडियम पहुंचना का एक नया रिकॉर्ड भी बनाया था। वहीं, टी20 विश्व कप 2024 में फैंस की कमी खल रही है।

भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2024 में अपना पहला मैच खाली स्टेडियम में खेलना पड़ा। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान कई सीटें खाली रहीं। इसका सबसे बड़ा कारण आईसीसी द्वारा भारत के मैचों की बढ़ी हुई टिकटों की कीमत और खराब मार्केटिंग प्लान को माना जा रहा है। अब तक टी20 विश्व कप 2024 के जो भी मैच खेले गए हैं, किसी में भी फैंस स्टेडियम की पूरी क्षमता के मुताबिक मौजूद नहीं रहे हैं।

स्टेडियम के प्रीमियम नॉर्थ और साउथ स्टैंड की टिकटों की कीमत लगभग 1,000 अमेरिकी डॉलर यानी 83 हजार रुपये थी और इसे खरीदने वाला कोई नहीं था। ब्रॉडकास्टर्स के लिए भी यह मुश्किलों से भरा अनुभव था क्योंकि स्क्रीन के चारों ओर बहुत सारी खाली सीटें दिख रहीं थीं। बस कुछ एक स्टैंड में सारे भारतीय फैंस जमा थे।

2023 विश्व कप में दर्शकों का नया रिकॉर्ड

भारत में जब 2023 वनडे विश्व कप खेला गया था तो कुछ गिने चुने मैचों को छोड़ दिया जाए तो लगभग हर मैच में स्टेडियम फुल रहा था। भारत में वनडे विश्व कप ने फैंस के स्टेडियम पहुंचना का एक नया रिकॉर्ड भी बनाया था। वहीं, टी20 विश्व कप 2024 में फैंस की कमी खल रही है।

आईसीसी ने भी अभी तक फैंस के आधिकारिक उपस्थिति का खुलासा नहीं किया है। वहीं, भारत-आयरलैंड मैच के दौरान 34 हजार दर्शकों की क्षमता वाले नासाउ काउंटी स्टेडियम में करीब 20 हजार दर्शक मौजूद रहे।

जो लोग इस मैच को देखने पहुंचे, वे भी स्टेडियम की व्यवस्थाओं और सुविधाओं से खुश नहीं दिखे।

डेविड वार्नर ने तोड़ा बड़ा कीर्तिमान

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले मैच में उतर चुकी है और उसे जीतने में भी कामयाब हो गई है। इस बीच टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने एक और कीर्तिमान रचने का काम किया है। उन्होंने अपने ही पूर्व कप्तान एरॉन फिंच का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को परास्त किया है, उसमें डेविड वार्नर का बड़ा योगदान है। चलिए अब आपको बताते हैं कि उन्होंने कौन सा कीर्तिमान बनाया है।

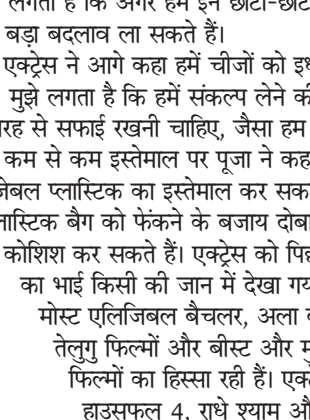

ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

दरअसल अभी तक टी20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज एरॉन फिंच हुआ करते थे। उन्होंने इस फॉर्मेट में 3120 रन बनाने का काम किया है। लेकिन अब डेविड वार्नर उनसे आगे निकल गए हैं।

पर्सनल लाइफ पर बोले टीवी एक्टर शालीन भनोट

एक्ट्रेस दलजीत कौर के एक्स-हस्बैंड शालीन भनोट ने कहा है कि वो सिंगल हैं। हाल ही में इंटरव्यू में एक्टर ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात की। दरअसल, पिछले कुछ समय से शालीन अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बिग बॉस 16 में शालीन का नाम टीना दत्ता के साथ जुड़ा था। वहीं, पिछले साल टीवी शो बेकाबू की शूटिंग के वक्त, शालीन के अपनी को-एक्ट्रेस ईशा सिंह को डेट करने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, दोनों ने इसे महज अफवाह बताया था। शालीन कहते हैं, सच्चाई यह है कि, पहले के मुकाबले मैं अब अपनी पर्सनल लाइफ में ज्यादा संतुष्ट महसूस करता हूं। मेरा एक पेट डॉग है जो मुझे कभी प्यार की कमी महसूस होने नहीं देता। अपने घर आने पर जिस तरह का वेलकम मुझे उससे मिलता है, वाकई में वह लाजवाब है। मैं अपने पेरेंट्स के साथ रहता हूं। बिग बॉस के दौरान, मेरी मां शो में आई थीं जिसके बाद, लोग उन्हें भी पहचानने लगे हैं। वह जहां भी जाती है, लोग उन्हें शालीन की मां कहकर पुकारते है। शो के बाद, मेरे पेरेंट्स मुझ पर ज्यादा गर्व महसूस करते है।

कृति सेनन की बहन नुपूर सेनन को मिला

बिग बॉस ओटीटी-3 का ऑफर

बिग बॉस ओटीटी को लेकर एक के बाद एक अपडेट्स आ रहे हैं। जैसे -जैसे शो को लेकर अपडेट्स आ रहे हैं, फैंस उत्साहित होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार शो का बज बना हुआ है। घर में कौन-कौन से कंटेस्टेंट नजर आएंगे इसको लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। अब इन नामों में बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन का नाम भी शामिल हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बॉस ओटीटी के मेकर्स ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन को अप्रोच किया है। माना जा रहा है कि मेकर्स और नुपुर के बीच बातचीत का सिलसिला जारी है। हालांकि, अभी नुपुर शो में नजर आएंगी या नहीं इसकी को ई पुष्टि नहीं हुई है। बता दें, नुपुर को बिग बॉस के पिछले सीजन्स में भी अप्रोच किया गया था, लेकिन तब शो के मेकर्स के साथ बात नहीं बन पाई थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या कृति सेनन की बहन इस बार घर में नजर आएंगी?

बाहर भी उसी तरह से सफाई रखें, जैसा आप घर में रखते हैंः पूजा हेगड़े

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए अपनाए गए छोटे-छोटे बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वह जब भी ट्रैवल करती हैं, तो वह अपनी कार में एक ऐसा बैग जरूर रखती हैं, जिसमें वह कचरा फेंक सकें। पूजा ने हाल ही में मुंबई के जुहू बीच पर समुद्र तट सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया, अगर हम अपनी लाइफ में कुछ छोटे-छोटे कदम उठाएं तो हम समाज में बड़ा बदलाव देख सकते हैं। मैं जब भी ट्रैवल करती हूं, तो अपनी कार में हमेशा एक ऐसा बैग रखती हूं, जिसमें मैं कचरा फेंकती हूं। मैं सड़कों, समुद्र तटों या खुली जगहों पर चीजें नहीं फेंकती। मुझे लगता है कि अगर हम इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखे तो हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा हमें चीजों को इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें संकल्प लेने की जरूरत है। हमें बाहर भी उसी तरह से सफाई रखनी चाहिए, जैसा हम अपने घर में रखते हैं। प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल पर पूजा ने कहा, मुझे लगता है कि हम रीयूजेबल प्लास्टिक का इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर हम उसी प्लास्टिक बैग को फेंकने के बजाय दोबारा इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकते हैं। एक्ट्रेस को पिछली बार फिल्म किसी का भाई किसी की जान में देखा गया था। वह आचार्य, मोस्ट एलिजिबल बैचलर, अला वैकुंठपुरमुलू, महर्षि जैसी तेलुगु फिल्मों और बीस्ट और मुगामूडी जैसी तमिल फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने मोहनजोदड़ो, हाउसफुल 4, राधे श्याम और सर्कस जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया हैं।

संक्षिप्त समाचार

तिहाड़ जेल में फिर गैंगवार, गोगी गैंग के गुर्गे पर टिल्लू गिरोह का हमला

नईदिल्ली, एजेंसी। तिहाड़ जेल में एक बार फिर गैंगवार हुआ है। गोगी गिरोह के हितेश पर टिल्लू गिरोह के गौरव और गुरिंदर ने सुआ और चाकू से हमला कर दिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बुधवार को दोपहर में डीडीयू से थाना हरि नगर में सूचना मिली कि तिहाड़ जेल से एक घायल को अस्पताल लाया गया है। इसके आधार पर स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। जहां पता चला कि तिहाड़ जेल में झगड़ा हुआ था, जिसमें गोगी गैग का हितेश घायल हुआ है। उसपर टिल्लू गिरोह के सदस्यों ने हमला किया था। पुलिस ने बताया कि हितेश पर हमला करने वाले लोगों के नाम गौरव लोहरा और गुरिंदर बताए जा रहे हैं। अभी तक हमलावरों की पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। हितेश नाम का शख्स घायल है और उसे डीडीयू अस्पताल ले जाया गया है। हितेश उर्फ हैप्पी 2019 में बवाना में पांच साल पहले हुई एक हत्या के मामले में जेल में बंद है। अब तक की जांच के अनुसार गौरव और गुरिंदर दोनों हत्या और हत्या के प्रयास के मामलों में जेल में बंद हैं। चोट के आधार पर, थाना हरि नगर में धारा 307 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

पत्नी से बात करने पर पड़ोसी को पर चाकू से ताबड़तोड़ वार

नईदिल्ली, एजेंसी। शालीमार बाग में मंगलवार को एक शख्स ने पत्नी से बात करने पर पड़ोसी युवक को चाकू से गोद दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि निजी कंपनी में काम करने वाला 32 वर्षीय अमरजीत कुमार हैदरपुर स्थित फ्लैट में रहता है।अमरजीत कुमार बगल के फ्लैट में रहने वाली 22 वर्षीय ललिता देवी से अक्सर बात करता था, लेकिन महिला के पति सूबेदार को इससे आपत्ति थी। पुलिस ने बताया कि घायल अमरजीत को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके शरीर पर चाकू से आठ से नौ वार किए गए हैं। दक्षिण पूर्वी जिले के सनलाइट कॉलोनी इलाके में बुधवार को एक युवक पर चाकू से हमला कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 27 वर्षीय रोहित उर्फ मोगली के रूप में हुई है। वह सराय काले खां की हरिजन बस्ती का रहने वाला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोहित पर पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपी की पहचान की है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस का कहना है कि रंजिश के चलते उसकी हत्या की गई है। आरोपी एक घो?षित बदमाश है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि बुधवार शाम करीब 04.45 बजे सनलाइट कॉलोनी थाने में सराय काले खां में स्टेशन रोड के पास चाकूबाजी की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां पुलिस को रोहित उर्फ मोगली घायल हालत में मिला। उस पर चाकू से कई वार किए गए थे। उसे तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक के खिलाफ उत्तर प्रदेश के जीआरपी मथुरा व दिल्ली के कालका जी थाने में चोरी व एनडीपीएस अधिनियम के दो मामले दर्ज मिले। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की भी पहचान कर ली है। वह हजरत निजामुद्दीन थाने का घोषित भगोड़ा है। पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

बकाया नहीं देने वाले बिल्डर पर एक्शन, एम्स मैक्स गार्डेनिया की संपत्ति होगी अटैच; 122 फ्लैट होंगे नीलाम

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण ने बकाया न देने पर सेक्टर-75 स्थित एम्स मैक्स गार्डेनिया बिल्डर के 60 हजार वर्ग मीटर के व्यावसायिक भूखंड का आवंटन निरस्त कर दिया है। इसकी लीज निरस्त करते हुए संपत्ति को अटैच करने का निर्णय लिया है। इस भूखंड में खाली पड़ी संपत्ति को नीलाम कर प्राधिकरण अपना बकाया वसूल करेगा। यहां पर अभी मॉल बना है।

नोएडा प्राधिकरण ने मैसर्स एम्स मैक्स गार्डेनिया डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को जीएच-इको सिटी, सेक्टर-75 में कुछ वर्ष पहले 60 हजार वर्ग मीटर व्यावसायिक भूखंड का आवंटन किया था। प्राधिकरण ने बुधवार को इसका आवंटन एवं लीज डीड निरस्त कर दी। इस पर विकसित की गई व्यावसायिक संपत्ति ब्लॉक-ए, बी, सी और डी को अटैच करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस

भूखंड में खाली पड़ी व्यावसायिक संपत्ति को नीलाम कर प्राधिकरण अपना बकाया वसूलेगा। लीज निरस्तीकरण एवं अटैच की जा रही संपत्ति पर तृतीय पक्ष यानि खरीदारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। पांच जून तक जिन लोगों ने इस भूखंड में बुकिंग करा रखी है या व्यवसाय कर रहे हैं, उनको कोई दिक्कत नहीं होगी और जो भी इस परियोजना का मालिक होगा, वह उसके अधीन रहेंगे। तृतीय पक्ष के अधिकार का सबूत आदेश की तारीख तक हुए बैंक ट्रांजेक्शन होंगे। आदेश की तारीख तक मौके पर आवंटित दुकानें और प्रतिष्ठान यथावत चलते रहेंगे। मौके की स्थिति के अनुसार सीलिंग की कार्रवाई प्राधिकरण करेगा।

एम्स गार्डेनिया को आवंटित ग्रुप हाउसिंग परियोजना में 3379 फ्लैट की रजिस्ट्री होनी बाकी है। इन फ्लैट की रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाएगी।

नोएडा सीईओ लोकेश एम ने कहा, बिल्डर ने प्रीमियम और अन्य बकाया जमा नहीं किया है। इसी आधार पर व्यावसायिक भूखंड की लीज डीड निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। भूखंड में खाली पड़ी संपत्ति को नीलाम कर बकाया लिया जाएगा। गार्डेनिया एम्स डेवलपर्स कंपनी के प्रवक्ता ने प्राधिकरण की इस कार्रवाई को अनुचित ठहराया है। उनका कहना है कि बकाये का मामला न्यायालय में विचाराधीन है और न्यायालय में इस मामले को लेकर सुनवाई चल रही है। प्राधिकरण द्वारा बकाये की राशि की गणना हमारे अनुसार सही नहीं है।

अमिताभकांत समिति से संबंधित सिफारिशों को लेकर बिल्डरों के लिए शासन ने एक पैकेज ऑफर कर रखा है। इस पैकेज का लाभ लेने के लिए एम्स गार्डेनिया ने भी सहमति दी थी, लेकिन निर्धारित समय में कुल बकाये में से 25 प्रतिशत धनराशि जमा न कर महज कुछ करोड़ रुपये ही जमा किए। इस आधार पर प्राधिकरण ने पैकेज का लाभ नहीं देने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण ने एम्स मैक्स गार्डेनिया को सेक्टर-46 में ग्रुप हाउसिंग भूखंड आवंटित कर रखा है। इस परियोजना पर प्राधिकरण का 692 करोड़ 48 लाख रुपये बकाया है। प्राधिकरण ने पहले से ही 122 फ्लैट सील कर रखे हैं। अब इन फ्लैट को नीलाम करते हुए बकाया वसूला जाएगा।

दिल्ली के स्कूलों-अस्पतालों को किसने भेजे थे धमकी वाले ईमेल? पुलिस का बीबल डॉट कॉम को लेटर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्कूलों, अस्पतालों सहित अन्य संस्थानों को धमकी भरे ई-मेल मामले की जांच में जुटी दिल्ली पुलिस की एंटी टेरर यूनिट-स्पेशल सेल ने अब सीबीआई की मदद से इंटरपोल के जरिये 'बुडापेस्ट' की एजेंसियों से संपर्क साधा है। दरअसल, दिल्ली-एनसीआर के करीब दो सौ स्कूलों को दी गई धमकी की जांच दौरान आईपी बुडापेस्ट की आने के बाद संदिग्ध से जुड़ी सूचना के लिए पुलिस ने वहां की एजेंसियों से संपर्क साधा है। यूनिट-स्पेशल सेल ने आईपी एड्रेस के लिए चिट्ठी लिखी थी। क्योंकि इस आईपी एड्रेस इस्तेमाल स्कूलों को धमकी देने के लिए किया गया था। इस दौरान ही पुलिस को यह पता चला था कि हंगरी के बुडापेस्ट की आईपी के जरिये धमकी भरा ईमेल भेजा गया। बीबल यूरोप के देश लातविया की ई-मेल सुविधा देने वाला एक एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्म है, जो उपभोक्ता के डेटा के लिए सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करता है। कंपनी दावा करती है कि उन्नत डेटा एन्क्रिप्शन कोई भी तीसरा पक्ष, यहां तक कि बीबल भी संग्रहित जानकारी को हासिल नहीं कर सकता है या उपयोगकर्ता खातों तक उसकी अनुमति के बिना पहुंच नहीं सकता है। एफआईआर स्पेशल सेल ने आईपीसी की धारा 505 (2) (विभिन्न वर्गों के बीच दुश्मनी, नफरत या द्वेष पैदा करने या बढ़ावा देने वाला बयान), 507 (गुमनाम संचार द्वारा आपराधिक धमकी देना), और 120 (बी) (आपराधिक साजिश) के तहत दर्ज की है। स्कूलों को धमकी भरा जो ई-मेल भेजा गया था।

मिलने आओ वरना फेल कर दूंगा...जेएनयू के प्रोफेसर ने छात्रा को भेजे अश्लील मैसेज

नईदिल्ली, एजेंसी। जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के एक प्रोफेसर पर एक छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। प्रोफेसर ने उसे इस कदर प्रताड़ित किया की उसे मजबूरन कैंपस छोड़कर जाना पड़ा। छात्रा के अनुसार, प्रोफेसर उसे चीनी भाषा में अश्लील मैसेज भेजता और अपने चैंबर में अकेले मिलने के लिए बुलाता था। 20 साल की छात्रा जेएनयू के चीनी और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र में पढ़ाई कर रही थी। एक हफ्ते पहले दिल्ली पुलिस ने प्रोफेसर के खिलाफ एक्शन शुरू कर दिया है।

आरोपी को बाध्य (जांच अधिकारी या अदालत के समक्ष एक निश्चित तिथि पर उपस्थित होना आवश्यक है) कर दिया गया है। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रोफेसर उसके क्सामेट्स से उसका अता-पता पूछा करता थे। इसके अलावा उसे कैंपस छोड़ने के लिए मजबूर किया गया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पीड़िता द्वारा वसंत कुंज (उत्तर) पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद हमने मामले की जांच शुरू की और उसके बाद केस दर्ज किया गया। प्रोफेसर द्वारा छात्रा को भेजे गए चीनी भाषा में व्हाट्सएप मैसेज जैसे दस्तावेजी सबूतों का विश्लेषण किया गया और मजिस्ट्रेट के सामने 164 सीआरपीसी के तहत उसके बयान दर्ज किए गए। बयानों के अलावा उसकी क्लास के अन्य छात्रों के बयान लिए गए। पर्याप्त सबूतों के आधार पर, हमने अब प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया है और बाद में चार्जशीट दायर की जाएगी।

नोएडा में अजीब हादसे में टायर बदल रहे शख्स की मौत, कार ने मारी टक्कर

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार को हुई एक अजीब दुर्घटना में उस वक्त 35 वर्षीय एक शख्स की मौत हो गई, जब वह अपने पिकअप ट्रक का टायर बदलते समय एक कार की चपेट में आ गया। इस दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है और दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई इस घटना को लेकर कोई गिरफ्तारी भी नहीं हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया, गाजियाबाद के लोनी निवासी पवन सेक्टर 82 कट के पास एक्सप्रेसवे पर अपने पिकअप ट्रक का टायर बदल रहे थे, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में पवन को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरन्त नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि शव को बाद में शवगृह में रखवा दिया गया तथा उसके परिवार को सूचित कर दिया गया।

दिल्ली की 52 विधानसभा सीटों पर हार गई आप, आतिशी भी नहीं बचा पाईं घर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सात लोकसभा में आने वाली 52 विधानसभा में भाजपा ने परचम लहराया है। वहीं, विधानसभा चुनाव में अकेले 62 सीट पर कब्जा करने वाली आप लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के बाद भी 18 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर पाई।

हालांकि, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पड़े मतों से तुलना करें तो भाजपा को नुकसान हुआ है। भाजपा को तब कुल 70 में से 65 विधानसभा सीटों पर जीत मिली थी। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि गठबंधन के चलते भाजपा की जीत का अंतर इस बार कम हुआ है।

मंत्री आतिशी, भारद्वाज और गहलोत अपनी सीट नहीं जिता पाए चुनाव आयोग ने बुधवार को दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों पर पड़े मतों के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक,

इस बार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अलावा दो अन्य मंत्री गोपाल राय (अपनी बाबरपुर सीट) इमरान हुसैन (अपनी बल्लीमारान सीट) पर लोकसभा उम्मीदवार को बढ़त दिला पाए।

वहीं, दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी की कालकाजी, सौरभ भारद्वाज की ग्रेटर कैलाश और कैलाश गहलोत अपनी नजफगढ़ सीट बचाने में नाकाम रहे। यही नहीं, बुराड़ी विधानसभा जहां आम आदमी पार्टी रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करती आई है, उस सीट पर भी भाजपा ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार से दोगुना मत हासिल किए।

दिल्ली में कुल 13 आरक्षित विधानसभा हैं। भाजपा ने 10 आरक्षित विधानसभा सीटों पर कब्जा जमाया है। जबकि आम आदमी पार्टी ने दलित बाहुल्य सीटों को अपने पाले में करने के लिए इस बार पूर्वी दिल्ली की सामान्य सीट पर दलित चेहरे कुलदीप कुमार को मैदान में उतारा था। आम आदमी पार्टी को उसका फायदा भी नहीं मिला। आप पूर्वी दिल्ली की दोनों आरक्षित सीट कोंडली और त्रिलोकपुरी हार गई।

दिल्ली की मुस्लिम बहुल सीटों पर इस बार इंडिया गठबंधन आगे रहा। सीलमपुर, बाबरपुर, मुस्तफाबाद, ओखला, मटियामहल, बल्लीमरान सीट पर गठबंधन ने कब्जा किया। यही नहीं, भाजपा को सिख बहुल सीटों जैसे राजौरी गार्डन, तिलक नगर, जंगपुरा और चांदनी चौक विधानसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा।

जॉर्जिया की अपीलीय अदालत ने ट्रंप के खिलाफ 2020 के चुनाव में गड़बड़ी मामले पर लगाई रोक

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत की एक अपीलय अदालत ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2020 के चुनाव में गड़बड़ी के मामले में आपराधिक मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह रोक अदालत द्वारा अपील की समीक्षा तक के लिए लगाई गई है। पिछले साल अगस्त में ट्रंप और 18 अन्य लोगों पर दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी प्रांत में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने के कथित प्रयासों के लिए अभियोग लगाया गया था।

ट्रम्प ने खुद को निर्दोष बताया है और आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्जिया कोर्ट ऑफ़ अपील्स ने बुधवार को आदेश जारी किया। अदालत ने इस सप्ताह की शुरुआत में अपील पर सुनवाई की संभावित तिथि अक्टूबर में तय की थी। मामले में ट्रंप और कई सह-प्रतिवादियों ने तर्क दिया है कि फुल्टन काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी फ़ानी विलिस के तत्कालीन विशेष अभियोजक नाथन वेड के साथ संबंधों के कारण हितों का टकराव हुआ।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प और उनके कुछ सह-प्रतिवादी विलिस को मामले से अयोग्य ठहराने की कोशिश

कर रहे हैं, क्योंकि उनके और मामले में वादी पक्ष की मदद करने के लिए नियुक्त विशेष अभियोजक वेड के बीच रोमांटिक संबंध थे। प्रतिवादियों ने तर्क दिया कि विलिस को वेड के साथ संबंधों से आर्थिक रूप से लाभ हुआ, जिसने दोनों के लिए कई छुट्टियों का खर्च उठाया। सीएनएन ने बताया कि नया आदेश इस बात का नवीनतम संकेत है कि मामले में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले सुनवाई नहीं होगी। रिपब्लिकन पार्टी के संभावित 2024 के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रम्प पर चार आपराधिक मामलों में आरोप लगाए गए हैं - दो अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा, और दो न्यूयॉर्क तथा जॉर्जिया में प्रांतीय अभियोजकों द्वारा, अलग-अलग। जॉर्जिया का मामला ट्रंप के खिलाफ लाया गया चौथा आपराधिक मामला है। जॉर्जिया कोर्ट ऑफ अपील्स का आदेश ट्रंप को अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी पूर्व राष्ट्रपति को आपराधिक मुकदमे में दोषी पाए जाने के कुछ ही दिनों बाद आया। ट्रम्प को पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क में एक जूरी द्वारा राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले 2016 में एक पोर्न स्टार को किये गये आर्थिक भुगतान को छिपाने के लिए व्यापारिक लेखे जोखे में हेराफेरी के मामलों में दोषी ठहराया गया था।

इस्राइली सेना ने गाजा में एक स्कूल के अंदर हमास के ठिकानों को बनाया निशाना, हमले में 32 की मौत

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल की सेना ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने गाजा पट्टी में एक स्कूल के अंदर हमास के ठिकानों को निशाना बनाया। हमास से जुड़े मीडिया ने इस हमले का जिक्र करते हुए कहा कि कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल हैं। यह हमला गुरुवार की सुबह नुसीरत क्षेत्र में किया गया। हालांकि, इस हमले के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। स्थानीय मीडिया ने इस हमले में कम से कम 39 लोगों के मरने की सूचना दी। वहीं, फलस्तीन न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस हमले में 32 लोगों की मौत हुई है।

इस्राइली सेना ने बताया कि उनके लड़ाकू विमानों ने फलस्तीनियों को सहायता प्रदान करने वाली संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा संचालित स्कूल पर हमला किया। हमले के बाद इस्राइली सेना ने बिना सबूत पेश किए

दावा किया कि हमास और इस्लामिक जिहाद ने स्कूल को अपने अभियानों के लिए कवर के तौर पर इस्तेमाल किया। सेना ने बताया कि हमले से पहले नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिसमें हवाई निगरानी और अतिरिक्त खुफिया जानकारी शामिल हैं। बता दें कि नुसीरत शर्णार्थी कैंप गाजा पट्टी के बीचोबीच में स्थित है। यह 1948 में अरब-इस्राइल युद्ध के समय का बना हुआ फलस्तीनी शर्णार्थी शिविर है। इस्राइली सेना ने स्कूल का एक ग्राफिक प्रकाशित किया, जिसमें स्कूल की छत पर संयुक्त राष्ट्र लिखा हुआ था। इस ग्राफिक में स्कूल के उपरी मंजिल को निशाना बनाकर किए गए हमले का भी विवरण था।

पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने इस्राइल में घुसकर हमले किए, जिसमें लगभग 1,160 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर इस्राइली नागरिक ही शामिल थे।

रिपोर्ट में बड़ा दावा- कैंसर से जूझ रहीं केट मिडलटन नहीं लौटेंगी शाही कामकाज पर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस विलियम की पत्नी प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन कैंसर से जूझ रही हैं और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। उम्मीद जताई जा रही थी कि कुछ दिनों में वह वापस शाही कामकाजों को देखने लगेंगी, लेकिन शायद अब ऐसा नहीं होगा। अमेरिकी मीडिया की मुताबिक मिडलटन शायद कभी अपने शाही कर्तव्यों पर वापस नहीं आएंगी।

एक रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि वह शायद कभी उस भूमिका में वापस नहीं आएंगी, जिसमें लोगों ने उन्हें पहले देखा था। एक समय था जब वेल्स की राजकुमारी अपने पति प्रिंस विलियम के साथ शाही कार्यक्रमों में सबसे आगे रहती थीं। अब अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि केट ने हाल ही में कीमोथेरेपी करवाई

है। इसलिए वह वर्तमान में इस बात पर ध्यान दे रही हैं कि जब वह वापस आएंगी तो क्या कर पाएंगी।

यहां तक कि शाही विशेषज्ञ रिचर्ड फिट्जविलियम्स का कहना है कि अगर केट अपने शाही कर्तव्यों पर वापस आती हैं, तो यह फैसला पूरी तरह से डॉक्टरों की सलाह पर लिया जाएगा। पिछले महीने की शुरुआत में, एक सूत्र ने बताया था कि केट मिडलटन इस साल कोई शाही कामकाज में शामिल नहीं होंगी। सूत्र ने कहा था कि केट के लिए कोई प्लान नहीं है। वह शायद इस साल सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे सकती है। इस दावे के कुछ हफ्तों बाद अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि 42 साल की मिडलटन सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं देंगी।

मार्च में कैंसर होने का लगा पता : दरअसल, केट मिडलटन पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुई थी, लेकिन सर्जरी के दौरान ही उन्हें कैंसर से पीड़ित होने का पता चला। मार्च में केट मिडलटन ने सार्वजनिक बयान जारी कर कहा कि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं और जब तक उनकी तबीयत ठीक नहीं हो जाती, वे सार्वजनिक जिम्मेदारियों से दूर रहेंगी।

राजकुमारी को मिला जनता का अभूतपूर्व समर्थनत्न केट मिडलटन ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा था, मैं ठीक हूं और हर दिन मजबूत हो रही हूं। केट ने कहा था कि सर्जरी से उबरने के दौरान आपके समर्थन और शुभकामना संदेशों के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद कहना चाहती हूं। ये दो महीने हमारे पूरे परिवार के लिए अविश्वसनीय रूप से कठिनाई भरे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे पास एक शानदार मेडिकल टीम है, जिसने मेरी बहुत देखभाल की है। इसके लिए मैं मेडिकल टीम की बहुत आभारी हूं।

केट मिडलटन अपने बच्चों को भी इस बारे में बता चुकी हैं कि वह कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा था कि हमें अपने बच्चों जॉर्ज, शार्लेट और लुइस को सब कुछ समझाने में काफी समय लगा। हमें बच्चों इस तरह बताना था कि उन पर इसका असर न पड़े। केट ने अपने बच्चों को भरोसा दिलाया है कि वे जल्दी ठीक हो जाएंगी।

पारडुबिस में यात्री और कार्गो ट्रेन की टक्कर में चार की मौत, पीएम फियाला ने शोक जताया

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य पारडुबिस में एक यात्री ट्रेन और कार्गो ट्रेन की टक्कर में चार यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे 26 लोग घायल भी हुए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ने इस घटना की जानकारी दी। घटना के बाद बचावदल कर्मी मौके पर पहुंचे। इस घटना पर चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने शोक व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम फियाला ने कहा, ÷पारडुबिस में दो ट्रेनों की टक्कर एक बड़ा दुर्भाग्य है। हम सभी पीड़ितों और घायलों के बारे में सोच रहे हैं।÷ यात्री ट्रेन के विवरण को साझा करते हुए पारडुबिस के गवर्नर मार्टिन नेटोलिकी ने कहा कि इसका संचालन रेल कंपनी रेजियोजेट द्वारा किया जाता था। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा, ÷रेजियोजेट ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की टक्कर में कई लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए समाचार एजेंसियों ने इस घटना का फुटेज जारी किया। इस फुटेज के अनुसार, एक गाड़ी ट्रैक से हटती हुई दिखाई दे रही है। पुसिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए आपातकालीन सेवा वाहनों की लाइन और हेलीकॉप्टर दिखाया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।